@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 21 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 312 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# हमारा सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता : मोदी

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भाग लिया

एजेंसी

**भावनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत आज विश्वबंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता... यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा। जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा। दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'ये कार्यक्रम तो भावनगर में रहा है लेकिन ये कार्यक्रम पूरे भारत का है। आज भावनगर निमित्त है। पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि की ओर जाने की हमारी दिशा क्या है उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर चुना गया है। गुजरात और भावनगर के लोगों को बहुत-बहुत बधाई।नरेंद्र मोदी ने कहा, '21 वीं सदी का भारत आज समुद्र को बहुत बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। थोड़ी देर पहले यहां बंदरगाह आधारित विकास को गति देने के लिए हजारों करोड़ रुपए के परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। देश में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज मुंबई में अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का भी लोकार्पण किया गया है।

## पीएम के एडवाइजर बोले- विकसित भारत में ज्यूडिशियल सिस्टम बाधा : माई लॉर्ड शब्द अंग्रेजों ने दिया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइजर काउंसिल के सदस्य संजीव सान्याल ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत के लिए हमारा ज्यूडिशियल सिस्टम सबसे बड़ी बाधा है। कई कानून ऐसे हैं जो समस्या को आसान की बजाय जटिल बना देते हैं। कोर्ट में माई लॉर्ड जैसे शब्दों से भी आपत्ति है, जो अंग्रेजों के जमाने के हैं। इन्हें बदलना चाहिए। इसके साथ ही सान्याल ने अदालतों में महीनों तक छुट्टी होने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका भी राज्य के किसी भी अन्य हिस्से की तरह एक सार्वजनिक सेवा है। क्या आप पुलिस विभाग या अस्पतालों को महीनों तक बंद रख सकते हैं। संजीव सान्याल ने ये बातें दिल्ली में भारतीय महाधिवक्ता के सम्मेलन में कहीं। इस सम्मेलन का विषय ÷2047 में विकसित भारत के लिए भारत के कानूनी आधार की पुनर्कल्पना था।सान्याल ने आगे कहा कि भारत की सबसे बड़ी दिक्कत कानून और न्याय को समय पर लागू न कर पाना है। हमारे देश में समझौते और न्याय समय पर पूरे नहीं होते। इस वजह से भले ही हम सड़कों, इमारतों या शहरों पर बहुत पैसा खर्च करें, असली विकास रुक जाता है। उन्होंने एक '99-1 समस्या' का जिक्र किया। असल में सिर्फ 1' लोग नियमों का गलत इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्योंकि हमें भरोसा नहीं है कि अदालतें ऐसे मामलों को जल्दी सुलझा देंगी, तो सरकार सारे नियम ऐसे बनाती है कि उस 1' को भी रोका जा सके। नतीजा ये होता है कि बाकी 99' ईमानदार लोग भी उन जटिल नियमों में फंस जाते हैं।

## मोबाइल कार्यालय विधानसभा में घूमेगा और आमजन की समस्याओं का समाधान करेगा: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 20 सितंबर। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के अवसर पर दिल्लीवासियों के लिए जनसेवा का एक और सशक्त अध्याय जुड़ गया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र के ओल्ड पंखा रोड स्थित विधायक कार्यालय से एक अभिनव पहल 'एमएलए ऑन व्हील्स- रेखा सरकार आपके द्वार' मोबाइल कार्यालय का शुभारंभ किया। इस विशेष पहल का उद्देश्य प्रशासन को जनता के और समीप लाना है, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। अब लोगों की शिकायतों, आवश्यक सेवाओं और जनहित से जुड़े कार्यों का निवारण सीधे उनके क्षेत्र में ही किया जाएगा। 'सरकार आपके द्वार' की इस पहल से

आमजन को त्वरित सुविधा, समय की बचत और पारदर्शी सेवा का अनुभव होगा। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का कहना है कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है जब जनता की समस्याओं का समाधान उनके घर-द्वार पर ही सुनिश्चित किया जाए। यही इस मोबाइल कार्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि है, जो जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करेगी। इस विशेष कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद श्रीमती कमलजीत सहरावत, दिल्ली के गृह, शहरी विकास मंत्री शिक्षा व ऊर्जा मंत्री श्री आशीष सूद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव यह संदेश दिया है कि नेतृत्व का असली अर्थ जनता की सेवा है और हमारी सरकार की यह अनूठी पहल प्रधानमंत्री जी की उस भावना से प्रेरित है जिसमें वे कहते हैं कि जनप्रतिनिधि का पद सत्ता का नहीं बल्कि सेवा और समर्पण का माध्यम है।

शेष पृष्ठ 3 पर

## खरगे ने ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस वृद्धि को बताया भारत के लिए झटका

● ट्रंप प्रशासन ने 19 सितंबर को एक घोषणा जारी कर एच-1बी वीजा आवेदनों पर वार्षिक एक लाख डॉलर की अतिरिक्त फीस लगाने का ऐलान किया है।

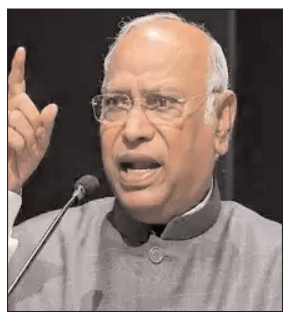

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा पर वार्षिक एक लाख डॉलर (लगभग 90 लाख रुपये) की फीस लगाने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नाराजगी जताई है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन के फोन के बाद मिले रिटर्न गिफ्ट्स से भारतीय बहुत दुखी हैं। उन्होंने इसे अबकी बार ट्रंप सरकार का जन्मदिन का तोहफा करार दिया। खरगे ने कहा कि एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, क्योंकि 70 प्रतिशत से ज्यादा एच-1बी वीजा धारक भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लग चुका है, जिससे 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसके अलावा भारतीय आउटसोर्सिंग को निशाना बनाने वाला एचआईआरई अधिनियम, चाबहार बंदरगाह से छूट हटाना जो रणनीतिक हितों के लिए नुकसानदेह है तथा यूरोपीय संघ से भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आह्वान शामिल है।

## अगले सप्ताह दो दिन की यात्रा पर मोरक्को जायेंगे राजनाथ सिंह

एजेंसी

**नई दिल्ली** ।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मोरक्को के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी के निमंत्रण पर 22 सितंबर को मोरक्को की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की उत्तरी अफ्रीकी राष्ट्र की पहली यात्रा होगी जो भारत और मोरक्को के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग के महत्व को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स मोरक्को के बेरेचिड में व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म के लिए नए विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण होगा। यह संयंत्र अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है।

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पितृपक्ष में पहुंचीं गयाजी

### पुरखों की आत्मा की शांति, मोक्ष प्राप्ति के लिए किया पिंडदान

एजेंसी

**गयाजी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को देश और दुनिया में मोक्ष स्थली के रूप में चर्चित बिहार के गयाजी पहुंची। यहां उन्होंने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष प्राप्ति की कामना के साथ पिंडदान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गया अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विशेष विमान से पहुंची। इसके बाद सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंची। गया हवाई अड्डा पहुंचने पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के पिंडदान के लिए जिला प्रशासन के जरिए विष्णुपद मंदिर परिसर में ही विशेष व्यवस्था की गई थी और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियाल ने वैदिक क्रियाओं के साथ कर्मकांड कराया। उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ पिंडदान किया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विष्णुपद मंदिर और आसपास के इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

## दिल्ली में वोट काटने का फर्जीवाड़ा दबाया जा रहा, चुनाव आयोग की साजिश से वोट चोरी: सौरभ भारद्वाज

● सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर कई सवाल उठाए।

रफ्तार हेडलाइन

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर वोट चोरी और फर्जीवाड़ा हुआ था, लेकिन चुनाव आयोग इस मामले में कार्रवाई करने के बजाय तथ्यों को दबा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने एच1-बी वीजा शुल्क बढ़ाने और हरियाणा द्वारा दिल्ली को पानी न देने के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। सौरभ भारद्वाज ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि हमने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि दिल्ली में चुनाव में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा हुआ। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विधानसभा में ही आखिरी दो महीने में 6,166 वोट काटने की फर्जी एप्लिकेशन डाली गईं। जिन लोगों के नाम पर एप्लिकेशन डाली गई, उन्होंने खुद ऑन-कैमरा आकर कहा कि हमने कोई एप्लिकेशन डाली ही नहीं। उन्होंने बताया कि उस समय की दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस मामले में चुनाव आयोग को लिखित शिकायत दी थी। हमने बार-बार शिकायत की। पिछले महीने आरटीआई लगाकर पूछा कि इस पर क्या कार्रवाई हुई, क्या एफआईआर दर्ज हुई, क्या कोई जांच बैठाई गई? लेकिन चुनाव आयोग ने यह कहकर जवाब देने से इनकार कर दिया कि यह व्यक्तिगत जानकारी है और इसमें कोई पब्लिक इंटरेस्ट जुड़ा हुआ नहीं है। इसके बाद हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और फिर वहीं, चुनाव आयोग जो पहले जानकारी नहीं दे रहा था, उसे अपने एक्स हैंडल पर सभी जानकारी दे दी। भारद्वाज ने सवाल किया कि अगर यह इतनी व्यक्तिगत थी तो सार्वजनिक क्यों की गई? और जो जानकारी दी गई, उसमें एफआईआर या गिरफ्तारी जैसी कोई भी डिटेल नहीं थी। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग नहीं चाहता कि असली वोटचोर तक हम पहुंचें। आयोग इस मामले को दबाने का काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से एच1-बी वीजा शुल्क बढ़ाने पर भी सौरभ भारद्वाज ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उन्हें एच1-बी वीजा की जरूरत नहीं है। फर्क उन भारतीय इंजीनियरों और प्रोफेशनल्स पर पड़ेगा, जो अमेरिका जाकर नौकरी करते हैं।

## 'भरण-पोषण में असमर्थ पुरुष को नहीं है दूसरी शादी का हक', केरल हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

एजेंसी

**तिरुवनंतपुरम।** केरल हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनावई के दौरान अहम और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी मुस्लिम पुरुष, जब तक वह अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में सक्षम न हो, तब तक उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि यहां तक की मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी नहीं। यह टिप्पणी जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने तब की जब एक 39 वर्षीय महिला ने अपने पति से 10,000 मासिक गुजारा भत्ते की मांग करते हुए याचिका दायर की। मामले में महिला का आरोप था कि उसका 46 वर्षीय पति जो नेत्रहीन है और भीख मांगकर जीवनयापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है। इससे पहले फैमिली कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि एक भिखारी से गुजारा भत्ता नहीं वसूला जा सकता।

हाईकोर्ट ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि एक भिखारी से गुजारा भत्ता दिलवाना अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

### कोर्ट ने बार-बार शादी करने से जताई आपत्ति

हालांकि मामले में अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि आरोपी पति, जो खुद भीख मांगकर गुजारा करता है, वह बार-बार शादियां कर रहा है। अदालत ने कहा कि इस तरह की शादियां मुस्लिम समुदाय में अशिक्षा और धार्मिक कानूनों की सही जानकारी के अभाव में हो रही हैं। इस दौरान अदालत ने कुरान की आयतों का भी हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम बहुविवाह को सामान्य नहीं, बल्कि अपवाद मानता है और जब तक कोई पुरुष सभी पत्नियों के साथ न्याय नहीं कर सकता, उसे एक से अधिक शादियों की अनुमति नहीं है।

## पूर्व सीएम गहलोत ने सरकार पर साधा निशाना

### बोले-राजस्थान में अराजकता, बीजेपी विधायक भी गुंडागर्दी में शामिल

एजेंसी

**जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राजस्थान में अराजकता का माहौल गहराता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बलात्कार, हत्या, चोरी और डकैती जैसे अपराध आम हो गए हैं और अब तो भाजपा विधायक तक गुंडागर्दी में शामिल हो रहे हैं। गहलोत ने चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा विधायक अर्जुनलाल जीनगर पर आरोप है कि चुनावी वादे की याद दिलाने पर युवक पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित युवक सूरज माली को गंभीर चोटें आई हैं और उसके शरीर में 25 से अधिक फ्रैक्चर पाए गए हैं। हालत इतनी नाजुक है कि डॉक्टर अभी तक उसका ऑपरेशन नहीं कर पा रहे। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि-क्या भाजपा विधायकों से सवाल पूछने पर आमजन की जान लेने का प्रयास किया जाएगा?

क्या पुलिस ऐसे प्रभावशाली नेताओं पर कार्रवाई करने की हिम्मत जुटा पाएगी? गहलोत ने आरोप लगाया कि घटना के मुख्य आरोपी को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि वे कल कपासन जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे।

## लालू परिवार में बढ़ा विवाद, जीतन राम मांझी की बहू दीपा बोलीं-यह सब होना ही था

**नई दिल्ली/पटना ।** बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की बहू और 'हम' पार्टी की विधायक दीपा मांझी ने लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रही लड़ाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह घरेलू मामला है, लेकिन लालू प्रसाद यादव के परिवार में यह सब कुछ होना ही था। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य को लेकर दीपा मांझी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे पहले ही बगावत कर चुके हैं। वे परिवार से अलग रहते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों से भी दूर रहते हैं।' उन्होंने कहा, 'ये उनका घरेलू मामला है। अगर लालू प्रसाद यादव अपने परिवार को एकजुट करना चाहते हैं तो उन्हें परिवार को साथ बैठाकर विवाद सुलझाना चाहिए।' लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव पहले ही राजद से निकाले जा चुके हैं।

इस बार लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के तेवरों ने नए विवाद को तूल दिया। इसकी शुरुआत तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सदस्य संजय यादव को लेकर रोहिणी आचार्य के एक पोस्ट से हुई। तेज प्रताप यादव भी संजय यादव पर सवाल कर चुके हैं। इस बार रोहिणी आचार्य ने संजय यादव पर सवाल दागे हैं।

## पाकिस्तान को झूठा साबित करने के लिए भारतीय एयरफोर्स दिखाए सभी रफाल : पवन खेड़ा

**नई दिल्ली ।** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावों को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने झूठा बताया है। साथ ही कहा है कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय वायुसेना निश्चित रूप से इस दावे का खंडन करेगी और सभी रफाल दिखाएगी। पवन खेड़ा ने कहा कि पाकिस्तान ने कुछ टेल नंबर दिए हैं, जो संभवतः कल या परसों ही जारी किए गए होंगे। उन्होंने दावा किया है कि पाकिस्तान हमेशा झूठे दावे करता है और भारतीय वायुसेना हर बार उसके झूठ को बेनकाब करती है। अगर हमारी वायुसेना रफाल दिखाएगी तो चीजें स्पष्ट हो जाएंगी और पाकिस्तान का झूठ सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी एयरफोर्स पाकिस्तान का मुंह बंद कराना जानती है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पाकिस्तान ऐसी हरकतें कर हमारी सेना का मनोबल तोड़ने की कोशिश करता है। हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि पाकिस्तान को तुरंत जवाब दिया जाए। सबूत के साथ पाकिस्तान के दावों को नष्ट करना चाहिए। अमेरिका की ओर से एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि अब हमारे उन बच्चों को, जो वहां काम कर रहे हैं, हर साल एक लाख डॉलर देने होंगे।

## गुजरात में दो नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : गडकरी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में 34200 करोड रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं गुजरात के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटन और आर्थिक विकास को गति देंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं, जो स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार सरोवर बांध, जंबुघोडा वन्यजीव अभयारण्य, रतनमहल स्लॉथ बेयर अभयारण्य, शूलपनेश्वर वन्यजीव अभयारण्य और पूर्णा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेंगी।

नितिन गडकरी ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के दो प्रमुख खंडों की आधारशिला रखी। पहली परियोजना छोटा उदयपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के जाबुगाम-धमासिया खंड का 38.3 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है, जबकि दूसरी परियाजना भरुच में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के बिटाडा/मोवी-नसरपुर खंड का 29.1 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है। ये परियोजनाएं छोटा उदयपुर, नर्मदा, भरुच, सूरत और तापी जिलों में सडक संपर्क को बेहतर बनाएंगी। उन्होंने बताया कि ये राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं न केवल परिवहन को सुगम बनाएंगी, बल्कि पर्यटन और आध्यात्मिक स्थलों तक पहुंच को भी आसान करेंगी। उनाई माता मंदिर जैसे तीर्थस्थलों तक यात्रा सरल होगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इन सडकों से गुजरात के प्रमुख पर्यावरण-पर्यटन स्थलों तक कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। गडकरी ने कहा कि ये परियोजनाएं विशेष रूप से दक्षिण गुजरात के आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगी और सतत आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी।

## मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से थाईलैंड के फुकेत जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1089 को बम की धमकी मिली। जिसके चलते शुक्रवार देर रात विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद, सीआईएसएफ कर्मियों और हवाई अड्डे के अधिकारियों ने विमान की जाँच की, लेकिन उन्हें वहाँ कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बाद में पता चला कि यह एक झूठी धमकी थी। एयरलाइन ने बताया कि 19 सितंबर को सुरक्षा कारणों से मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को चेन्नई डायवर्ट कर दिया गया था। प्रोटोकॉल के अनुसार, अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और चेन्नई में विमान की आवश्यक सुरक्षा जाँच की गई। हालाँकि, इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को असुविधा हुई। यात्रियों को चेन्नई हवाई अड्डे पर कई घंटे बैठना पड़ा।

## उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत को सीबीआई का फिर बुलाया

देहरादून (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को सीबीआई ने फिर से नोटिस दिया है। इसकी जानकारी स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। उन्होंने कहा कि नोटिस को ग्रहण कर लिया है। वह यह अनुरोध कर रहे हैं सितंबर में वह यात्रा करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए उन्हें अक्टूबर के दूसरे अथवा तीसरी सप्ताह में बुलाया जाए। दरअसल रावत के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए उनके स्टिंग के बाद उन पर सीबीआई जांच चल रही है। अब उन्हें सीबीआई ने फिर नोटिस भेजा है। रावत ने कहा कि सीबीआई को उनकी फिर याद आई है। इससे ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। भाजपा के दोस्तों ने उन्हें चुनाव के लायक समझा है। भारत सरकार में बैठे लोग अब भी मानते हैं कि वह चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए धन्यवाद के साथ नोटिस को स्वीकार कर रहे हैं।

## आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव मिलने से हड़कंप

बागेश्वर (एजेंसी)। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के तहत नदीगांव में मौजूद आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव संदिग्ध परिस्थितयों में मिला है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्वजन बिलख रहे हैं। दोफाड़ गांव निवासी 50 वर्षीय आनंद कालाकोटी पुत्र नंदन कालाकोटी का शव शनिवार सुबह आइसक्रीम फैक्टरी पास मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक भवाली से बाइक से आ रहा था। नदीगांव में जहां पर शव मिला वहां खून की उल्टी हुई हैं। शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं। मृतक का एक बेटा है जो कक्षा नौ में पढ़ता है।

## दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के बीच हुई मुठभेड़, 2 बदमाश घायल, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी देर रात पुलिस और गोगी गैंग के बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान गैंग के तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। इनमें से दो को गोली लगी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इरफान, लालू और नितेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बदमाश कार में सवार थे और घेराबंदी के दौरान उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उन्हें काबू कर लिया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई जारी है। बदमाश अक्सर पुलिस का सामना होने पर गोलियां चलाने से भी परहेज नहीं करते, लेकिन इस बार पुलिस ने उन्हें अपनी ताकत का अहसास करा दिया। इधर, पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ड्रग्स और 13 पिस्टल भी बरामद कीं।

**दिल्ली के कई स्कूलों को बम धमकी**

यहां बताते चलें कि शुक्रवार को ही दिल्ली के कई स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और छात्रों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

## लोन वसूलने लोगों से गाली-गलौज और अश्लील मैसेज भेजता था कॉल सेंटर

### -पुलिस ने छापामारा, 7 महिलाओं और संचालक समेत आठ को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। गुरुग्राम पुलिस ने एक बैंक ऋण वसूली एजेंसी के कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरोह के सदस्य लोगों को गाली-गलौज और अश्लील वॉयस भेजते थे। साथ ही बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान भी करते थे। पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारा और 7 महिलाओं और कॉल सेंटर संचालक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि परिसर से 10 मोबाइल फोन, 26 सिम कार्ड, एक डायलर मशीन और एक लैपटॉप बरामद किया है। यह कार्रवाई 12 सितंबर को एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई, जिसमें लोन वसूली के लिए अलग-अलग नंबरों से गाली-गलौज, अभद्र भाषा और बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन (पूर्व) में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में पुलिस ने दिल्ली के डाबड़ी स्थित कॉल सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस गैंग के प्रवीण (20), ईशा वर्मा (24), कहकशा (26), मौरिस सिन्हा (26), मुकेश चौहान (35), रीना बिष्ट (28), रोशनी (27) और रोज़ी (23) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कॉल सेंटर संचालक मुकेश चौहान पिछले दो सालों से बैंक लोन वसूली के लिए कॉल सेंटर चला रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर) ने कहा कि आरोपी बार-बार लोन न चुकाने वालों या उनके रिश्तेदारों को फोन करते थे।

# शाह-नीतीश की मुलाकात में दोनों के बीच सीट को लेकर बनी सहमति...सहयोगी दलों से चर्चा बाकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार की राजनीति में तब नई हलचल मच गई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह से होटल के कमरे में मुलाकात की थी। शाह तभी पटना में आयोजित अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हैं, कि यह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की तैयारियों का हिस्सा है। बता दें कि इस मुलाकात के दौरान बिहार भाजपा के नेताओं के अलावा नीतीश कुमार के दो खास सिपहसालार संजय झा और विजय चौधरी भी बैठक में शामिल हुए।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू)के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरुआती खाका खींचा जा चुका है। इस लेकर लोजपा (एलजेपी), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मत्स्यजीवी पार्टी (आरएलएम) जैसे सहयोगी दलों से भी बातचीत चल रही है। गठबंधन के भीतर सभी दलों को संतुलित हिस्सेदारी देने की कोशिश हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला नवरात्र के पावन पर्व के दौरान घोषित हो सकता है, जिसकी शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। पटना के सियासी गलियारों में इसकी चर्चा है कि एनडीए इस मौके को शुभ मानकर एकजुटता का संदेश जनता तक पहुंचाना चाहता है। यह वहीं समय होगा जब से आम लोगों को जीएसटी की नई दरों का लाभ मिलना शुरू होगा। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं। दुर्गा पूजा के बाद कभी भी इसका ऐलान हो सकता है। इस साल छठ के बाद वोटिंग की संभावना है।

2020 के चुनावों में जेडीयू की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही थी, जबकि बीजेपी बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। लेकिन हाल के दिनों में नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद समीकरण फिर बदल गए हैं। बीजेपी नेतृत्व यह सुनिश्चित करना चाहता है कि गठबंधन की एकता बनी रहे और विपक्षी गठबंधन इंडिया को चुनौती मिल सके। वहीं, नीतीश कुमार भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क होकर चाहते हैं कि उन्हें गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले।

## संजय राउत का शिंदे पर हमला : मानसिकता बेहद निचले स्तर की... अब कोई बात बाकी नहीं

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा, गद्दार हम पर आरोप लगा रहे हैं। शिंदे की मानसिकता बेहद निचले स्तर की है, इस पर अब कोई

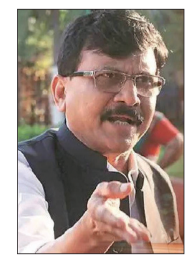

बात बाकी नहीं। राउत ने कहा कि राजन विचारे पहले से ही शिवसेना में हैं और पूरी तरह हमारे साथ हैं। अगर वे हमारे साथ नहीं होते तो शिंदे भी आज नहीं होते। उन्होंने सवाल उठाया कि सतीश प्रधान को टिकट किसने दिया था–शिंदे ने या खुद बालासाहेब ठाकरे ने?

यूबीटी नेता ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट धीरे-धीरे बीजेपी में मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमने कभी बालासाहेब ठाकरे के साथ किसी और का फोटो नहीं लगाया। अगर हिम्मत है तो पीएम मोदी से बड़ा आनंद दिघे का फोटो लगाइए। ठाणे दौरे पर राउत ने कहा कि वे कल ही ठाणे होकर आए थे, बिना किसी सरकारी सुरक्षा और मीडिया के। उन्होंने दावा किया कि वे जहां चाहें जा सकते हैं क्योंकि वे शिवसेना के नेता हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर राउत ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली से मुंबई को क्यों नहीं जोड़ा गया? आपको सिर्फ मुंबई को गुजरात से जोड़ने की जल्दी है। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उद्धव ठाकरे 4 अक्टूबर को पुणे और मराठवाड़ा का दौरा करेंगे। साथ ही राउत ने विरोधियों को चेतावनी दी कि आलोचना करें लेकिन 'मर्यादा में रहकर', क्योंकि विधानसभा में मारपीट करना उनकी आदत बन चुकी है।

## राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ कोर्ट ने शिकायत दर्ज करने का दिया निर्देश

**लखनऊ (एजेंसी)।** जिला अदालत ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। एक वकील ने याचिका दायर कर राहुल गांधी पर देशविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। कोर्ट ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए एक अक्टूबर की तिथी दी है। वकील नृपेंद्र पांडे ने याचिका में राहुल गांधी पर देश को अस्थिर करने के इरादे से राष्ट्रविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए आरोप लगाया कि चूंकि वे उस कार्यक्रम में मौजूद थे, जहां यह टिप्पणी की गई, इसलिए उन्हें भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 15 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में नवनिर्मित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने ने यह बयान दिया था। याचिका के अनुसार राहुल गांधी के शब्दों का अर्थ है कि कांग्रेस पार्टी भारतीय गणराज्य के विरुद्ध लड़ रही है। यह राष्ट्र के विरुद्ध बयान से कम नहीं था। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय राज्य शब्द भारत के लोगों और सभी संवैधानिक संस्थाओं, संसद, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दर्शाता है, जो मिलकर भारतीय गणराज्य का निर्माण करते हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि गांधी की टिप्पणी भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर हमला है। यह टिप्पणी ज़बान फिसलने के कारण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से सचेत होकर, जानबूझकर और देश को अस्थिर करने के इरादे से की गई। वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के राष्ट्र-विरोधी बयान ने भारत माता और भारत के 140 करोड़ लोगों का अपमान किया। याचिका में गांधी के पहले के भाषणों और विवादों का भी हवाला दिया गया ताकि यह तर्क दिया जा सके कि उनके कार्य और टिप्पणियां 'विदेशी और राष्ट्र-विरोधी शक्तियों' के प्रभाव में एक 'सुनियोजित साज़िश' का हिस्सा हैं।

# केजरीवाल का बीजेपी सरकार पर तंज... 4 इंजन वाली सरकार दिल्ली को सुरक्षा नहीं दे पा रही

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही बम की धमकियों को लेकर बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि एक साल में कई बार बम की धमकियां मिलने के बावजूद अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के स्कूलों को बार-बार बम की धमकियां मिल रही हैं। हर जगह दहशत फैली हुई है, स्कूल बंद हैं और बच्चों और अभिभावकों में डर का माहौल है... लेकिन एक साल में न कोई पकड़ा गया और न ही कोई कार्रवाई की गई। उन्होंने बीजेपी पर हमला कर सवाल उठाया, 4 इंजन वाली बीजेपी सरकार राजधानी की सुरक्षा भी नहीं संभाल पा रही है। माता-पिता हर दिन डर के साये में जी रहे हैं। यह सब कब खत्म होगा?

बात दें कि शनिवार सुबह दिल्ली के कई स्कूलों को फोन पर बम की धमकियां मिलीं, जिसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, और सर्वोदय विद्यालय शामिल थे। इन धमकियों के बाद, छात्रों और कर्मचारियों को तुरंत परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया।

डीपीएस द्वारका ने शनिवार के लिए स्कूल बंद कर दिया और अपरिहार्य परिस्थितियों का हवाला देकर मध्यावधि परीक्षाओं को स्थगित किया। स्कूल ने सर्कुलर में कहा, प्रिय अभिभावकगण, कृपया ध्यान दें कि अपरिहार्य कारणों से शनिवार, 20 सितंबर 2025 को स्कूल बंद रहेगा। सभी स्कूल बसों और निजी वैन/कैब को तुरंत वापस भेजा जा रहा है। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों को लेने के लिए स्टॉप पर अवश्य पहुँचें।

स्कूलों के अलावा, शहर के विभिन्न कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। 9 सितंबर को, नई दिल्ली स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच के बाद धमकी फर्जी पाई गई। उसी दिन, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय को भी इसी तरह की धमकियां मिली थीं। हालाँकि, डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार, ये धमकियां भी फर्जी निकलीं।

## भारतीय वायुसेना प्रमुख ने बताया... आखिरकार क्यों चार दिन में ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आखिर क्यों महज चार दिनों में ही ऑपरेशन सिंदूर रोकना पड़ा। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर केवल चार दिनों में रोक दिया गया, क्योंकि भारत ने अपने उद्देश्यों को हासिल कर लिया था। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी संगठनों के नौ प्रमुख ठिकानों को नष्ट किया गया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, हमारा मकसद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना था। हमारी वायुसेना ने आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया। जब उद्देश्य पूरे हो गए, तब हमें युद्ध को समाप्त करने में देरी क्यों करनी चाहिए? प्रत्येक संघर्ष की एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है जो हमारी अगली तैयारियों, अर्थव्यवस्था और देश की प्रगति को प्रभावित करती है। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया को भारत से यह सबक सीखना चाहिए कि किसी संघर्ष को कैसे शुरू किया जाए और यथाशीघ्र कैसे समाप्त किया जाए। उन्होंने विश्व के चल रहे संघर्षों, जैसे रूस-यूक्रेन और इजरायल के युद्धों का जिक्र कर कहा कि ये युद्ध वर्षों से चल रहे हैं, क्योंकि कोई भी संघर्ष को समाप्त करने की रणनीति पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बदलने या अहंकार के कारण युद्ध को लंबा खींचना गलत है।

# पूनावाला ने कहा- कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भाजपा ने कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया था और इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। भाजपा ने पित्रोदा के उस बयान का हवाला देते हुए, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को घर जैसा बताया था को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी और शहजाद पूनावाला ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान से अनवरत प्रेम उसकी नीतियों में झलकता है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आतंकवादी हाफिज सईद से यासीन मलिक के जरिए बातचीत की, 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की। पत्रकार वार्ता में भंडारी ने कहा कि क्या कोई देशभक्त कभी यह कह सकता है कि आतंकी राज्य पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति के तहत आया है और यह 140 करोड़ भारतीयों व शहीद सैनिकों का अपमान है। भंडारी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पित्रोदा गांधी परिवार के करीबी हैं और लंबे समय से उनकी रणनीति तय करते हैं।

# लालू परिवार में खटपट, मांझी की बूह का तंज... यह सब कुछ एक दिन होना ही था

**पटना (एजेंसी)।** बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू और हम पार्टी की विधायक दीपा मांझी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रही लड़ाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह उनका घरेलू मामला है, लेकिन लालू परिवार में यह सब कुछ एक दिन होना ही था।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य को लेकर दीपा मांझी ने कहा, लाल के बड़े बेटे तेजप्रताप पहले ही बगावत कर चुके हैं। वे परिवार से अलग रहते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने कहा, ये लालू परिवार का घरेलू मामला है। अगर लालू प्रसाद यादव अपने परिवार को एकजुट करना चाहते हैं, तब उन्हें परिवार को साथ बैठाकर विवाद सुलझाना चाहिए।

लालू अपने बड़े बेटे तेज प्रताप पहले ही राजद से निकाले जा चुके हैं। इस बार लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के तेवरों ने नए विवाद को हवा दे दी है। इस विवाद की शुरुआत तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सदस्य संजय यादव को लेकर रोहिणी आचार्य के पोस्ट से हुई।

बात दें कि परिवार से बागवात कर चुके तेज प्रताप भी संजय यादव पर सवाल उठा चुके हैं। इस बार रोहिणी आचार्य ने संजय यादव पर सवाल दागे हैं। संजय राजद की बिहार अधिकार यात्रा में तेजस्वी वाली फ्रंट सीट पर बैठे थे। रोहिणी ने उसकी तस्वीर एक्स पर शेयर करते हुए निशाना साधा था। जब विवाद की शुरुआत हुई, तब डैमेज कंट्रोल के लिए रोहिणी आचार्य ने दो और तस्वीरें शेयर कीं।

अपनी पोस्ट में रोहिणी ने कहा, वंचितों व समाज के आखिरी पायदान पर खड़े वर्ग समूह को आगे लाना ही राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के सामजिक और आर्थिक न्याय के अभियान का मूल मकसद रहा है। इन तस्वीरों में समाज के इन्हीं तबके से आने वालों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभूति है।

# राजा से रहता है सीधा संवाद, इसलिए भूटान में नहीं होती हिंसा या जनआंदोलन

**–संकट आने पर जनता और सरकार दोनों ही राजा से मांगते हैं मदद**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जब नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, श्रीलंका राजनीतिक अस्थिरता और जनआंदोलनों से जूझते रहे, उसी दौरान भूटान अपवाद बना रहा। हिमालय की गोद में बसा यह छोटा सा देश हैप्पीनेस इंडेक्स में ऊपर दिखाई देता है और यहां सड़कों पर शायद ही कभी बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन होते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर भूटान कैसे बचा रहा इस उठापटक से?

भूटान में 2008 तक पूरा शासन राजा के हाथों में था। चौथे राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक ने दूरदृष्टि दिखाते हुए लोकतंत्र की नींव रखी थी। उनके ऊपर कोई दबाव नहीं था, न कोई आंदोलन, लेकिन उन्होंने नेपाल जैसे हालातों से सबक लेते हुए खुद सत्ता साझा करने का फैसला किया। संविधान बना, चुनाव हुए और लोकतंत्र शांतिपूर्वक स्थापित हो गया। सत्ता का यह स्वैच्छिक हस्तांतरण जनता के विश्वास को मजबूत करने वाला साबित हुआ।

भूटान में राजा आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। वे हेड ऑफ स्टेट बने रहते हैं, लेकिन रोजमर्रा का शासन निर्वाचित सरकार ही चलाती है। संकट के समय जनता और सरकार दोनों ही राजा की ओर देखते हैं। इस कारण वहां सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसक आंदोलन नहीं होते हैं। भूटान की आबादी कम है और यहां बौद्ध धर्म माना जाता है। साझा सांस्कृतिक पहचान और परंपराएं लोगों को जोड़कर रखती हैं। इसके विपरीत नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में विविधता और जातीय तनाव राजनीतिक अस्थिरता की जड़ बने।

जानकारी के मुताबिक भूटान में प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित है। सरकार और राजशाही की आलोचना आसान नहीं। स्थानीय मीडिया छोटा है और वित्तीय रूप से सत्ता पर निर्भर है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रहती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अक्सर आरोप लगाती रही हैं कि असहमति की आवाज दबा दी जाती है। उदाहरण के तौर पर, नेपाली मूल के हजारों लोगों का विस्थापन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठा, लेकिन भीतर भूटान में यह मुद्दा दबा दिया गया।

भूटान के राजाओं ने जनता के बीच जाकर सीधा संवाद किया। गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनना और संकट के समय मदद करना, उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण बना। इस वजह से लोग असंतोष व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतरने के बजाय राजा पर भरोसा करते हैं। भूटान में स्थिरता की वजह राजशाही की दूरदृष्टि, लोकतंत्र का शांतिपूर्ण अंगीकरण, सामाजिक-सांस्कृतिक एकरूपता और मजबूत सेंसरशिप है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि यह शांति आंशिक है और सेंसरशिप की कीमत पर हासिल हुई है। इसके बावजूद भूटान अब तक उस प्रोटेस्ट कल्चर से बचा है, जिसने भारत के पड़ोसी देशों को हिला दिया है और सत्ता परिवर्तन भी हुआ है।

# श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत की वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली; 20 सितम्बर। दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशन में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को सम्मानपूर्वक मनाते हुए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी में श्रद्धेय सिख गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं और बलिदान के बारे में जागरूकता फैलाना है। इसी क्रम में दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग और पंजाबी अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस के उपलक्ष्य में %सरब धरम सम्मेलन% का आयोजन आईसीएआर कन्वेंशन सेंटर, पूसा कैंपस, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न धर्मों के संत-आचार्यों ने मंच साझा किया और गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए मानवता, एकता और धार्मिक सहिष्णुता का संदेश दिया। कार्यक्रम में माननीय कला, संस्कृति और भाषा मंत्री कपिल मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही दिल्ली सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी और उनके साथियों भाई मती दास जी, भाई सती दास जी, भाई दयाला जी के बलिदान के साढ़े तीन सौ साल पूरे हो रहे हैं और इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी ने निर्णय लिया है कि दिल्ली सरकार इसको एक अविस्मरणीय आयोजन के रूप में स्थापित करेगी। कल से इन कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के साथ मिलकर %सरब धरम सम्मेलन% का आयोजन किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले तीन-चार महीने तक लगातार गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को याद करते हुए कार्यक्रम आयोजित होंगे। उनका

बलिदान विश्व के इतिहास में कभी न भूलने वाला बलिदान है। यह आयोजन दिल्ली सरकार और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मिलकर रही है। मुख्यमंत्री और दिल्ली कैबिनेट का निर्णय है कि गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान की 350वीं वर्षगांठ पर ऐसे आयोजन किए जाएं जिससे आने वाली पीढ़ियाँ भी उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर उन्हें हमेशा याद रखें। नवंबर माह में एक और बड़ा तीन दिवसीय आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद रहे दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री और सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान केवल सिख इतिहास का ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का प्रेरणास्त्रोत है। यह आयोजन हमें एकता, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान का संदेश देता है। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि इस स्मरणोत्सव के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक गुरु जी के विचार और बलिदान की गूंज पहुँचे। दिल्ली सरकार माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में इस नवंबर में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ का भव्य आयोजन करने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि हर तैयारी बैठक में वरिष्ठ समुदाय सदस्यों को शामिल किया जाएगा और उन्होंने स्वयं कई प्रमुख बैठकों की अध्यक्षता की है, ताकि श्रद्धांजलि सच्चे मन से और प्रामाणिक हो। उन्होंने अपने अपने संबोधन में यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछली सरकारों ने केवल इस पर विचार ही किया लेकिन हम मानते हैं कि हमारे बच्चों को श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के बारे में बताना हमारा कर्तव्य है ताकि उनके जीवन में साहस, करुणा और अंतरात्मा की स्वतंत्रता शामिल हो सके। हमारे आयोजन समावेशी, सम्मानजनक और समुदाय-निर्देशित होंगे, ताकि गुरु जी की विरासत जनजीवन में जीवित बनी रहे। श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत हमें दो सरल सत्य सिखाती है- सभी धर्मों का मूल सार एक है और सभी मनुष्य समान हैं; मानवता हर भेदभाव से ऊपर है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सिख इतिहास और हमारे गुरुओं के बलिदानों को असाधारण रूप से मान्यता दी है और उसे ठोस पहल व कल्याणकारी योजनाओं में बदला है। मंच पर विभिन्न धर्मों के प्रतिष्ठित संत-आचार्यों और विद्वानों की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को अद्वितीय बना दिया। सभी संतों और गणमान्य अतिथियों ने गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को मानव सभ्यता के इतिहास में अद्वितीय बताया। उनका कहना था कि ऐसा बलिदान न तो पहले कभी देखा गया और न भविष्य में कभी उसका दूसरा उदाहरण मिलेगा।

## साइबर सिटी में फायरिंग, कई राउंड हुई गोलीबारी... जांच में जुटे पुलिस अधिकारी

गुरुग्राम। सेक्टर-45 में बृहस्पतिवार रात को मोटरसाइकिल पर आए नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमलावरों ने 20 से 25 गोलियां चलाईं। कार्यालय में खड़ी लग्जरी गाड़ियों तक को निशाना बनाते हुए उन पर गोलियां बरसाई गईं। इससे कार्यालय में मौजूद लोगों में हड़कंप मंच गया। वह इधर-उधर छिपने की कोशिश करते रहे। गनीमत यह रही कि इस दौरान गोली किसी भी व्यक्ति को गोली नहीं लगी। पुलिस की विभिन्न टीमें आरोपियों को गिरफ्तार करने में जुट गई हैं। आसपास के क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। वारदात के कुछ देर बाद सिंगर राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग करवाने वाले गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दीपक नांदल ने दावा किया है कि एमएनआर बिल्डर के कार्यालय पर गोलियां उसने चलवाई हैं। कहा कि रोहित रहेजा के रिश्तेदार नितिन तलवार पर 2019 से रुपये बकाया हैं। नांदल ने पोस्ट में कहा कि रकम न चुकाने के लिए नितिन तलवार अपना परिवार लेकर न्यूजीलैंड भाग गया। उसने सभी को चेतावनी देते हुए कहा कि जिसने पैसे देने हैं वह मत उलझो, जितनी जल्दी हो सके हिसाब कर दो वरना जो फंसेगा उसी को मारूंगा। बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

## कंपनी परिसर में युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, पेड़ से लटका मिला शव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र स्थित एक कंपनी में शनिवार सुबह को एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान दीपक सदा निवासी थाना भरवरिया समस्तीपुर बिहार के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार का कहना है कि सुबह करीब छह बजे सूचना मिली थी कि हबीवपुर में स्थित एक निजी कंपनी के परिसर में पेड़ से फंदा लगाकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का मुआयना कराया। मृतक के शव को देखकर प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने आत्महत्या की है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई और उनके सहयोग से शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता चलेगा। मामले की जांच जारी है। जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आत्महत्या का कारण क्या था।

## आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

## युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली।

## एमएसएमई से बनेगा देश सोने की चिड़िया, अर्थव्यवस्था को गति देने में युवा निभाएं भूमिका

आगरा। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो एमएसएमई का महत्व समझना होगा। युवा अब नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। कुछ ऐसी ही विचार शनिवार को अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव आगरा में सामने आए। कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पॉलीवाल कैंपस स्थित जुबली सभागार में किया गया। रोजगार सृजन और एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मंथन किया गया। एमएसएमई, केंद्र व राज्य वस्तु एवं सेवाकर, जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कॉन्क्लेव का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि नौ साल की उम्र में पहला पहला राजनीतिक भाषण चौधरी चरण सिंह का सुना था। देश की आत्मा गांव में रहती है। दूसरी पीढ़ी में उनके बेटे को उद्योगपति बनाया गया। तीसरी पीढ़ी वाला एमएसएमई में मंत्री है। स्किल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब से आया हूं। हर दूसरा बच्चा कनाडा जाना चाहता है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म भी आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि खेती की एक सीमा है और उत्पादन की एक सीमा है। जींस पहनने वाली पीढ़ी अब हल नहीं चला रही। एमएसएमई की संभावना क्यों जरूरी है, इस ओर क्यों आना पड़ेगा? इसका कारण बताते हुए कहा कि अब जमीन भाइयों में बंटकर छोटी हो गई है। जमीन अब बढ़ नहीं सकती है। ऐसे में एमएसएमई का महत्व समझना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या ये है कि हमने सरकारी नौकरी को ही रोजगार मान लिया। बच्चे कभी एमएसएमई नहीं गए। इतनी योजनाएं है कि उनके नाम राजनेताओं को भी नहीं मालूम। उन्होंने कहा कि विदेशियों की किताबें क्यों पढ़ते हो। हमारे पास तो रियल हीरो हैं, जिनकी सफलता की कहानियां पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ा परिवर्तन आ सकता है तो व्यापार से आ सकता है। प्रो. बघेल ने कहा कि टीटीजेड सिर्फ आगरा के लिए है। एनजीटी ने नुकसान किया है, लेकिन हम पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के कारोबारी सजग हैं, जो जन प्रतिनिधियों से अर्जी लगाते रहते हैं। उन्होंने आजादी के बाद हुए कुछ सबसे बड़े काम भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में नल, नल में जल, आयुष्मान कार्ड, गैर-राजपत्रित नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त करना सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि एमएसएमई से ही हमारा देश सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में हम हजारों साल टॉप पर रहे। गांव-गांव में कुछ न कुछ बनता था। व्यापारी इनको इकट्ठा कर विदेश ले जाते थे। इसके बदले में सोना आता था। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह कभी खुद को कमजोर न समझें। कॅरियर के लिए बहुत सारी फील्ड हैं। वह किसी भी फील्ड को चुन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि अब देश बदल रहा है। वर्ष 2014 के बाद से देश में संपन्नता की स्थिति बनी है। देश और राज्य में कारोबार करने का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपने दिमाग में नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठाते हुए नौकरी देने वाले बनें। ये लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि जब एमएसएमई की स्थापना हुई, लेकिन उस वक्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद इस पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही विजन है कि एमएसएमई के जरिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा दे सकते हैं। आज देश में एमएसएमई की पहचान बन चुकी है। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशसन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हम एक अलग तरीके से

## विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

## मोबाइल कार्यालय विधानसभा में घूमेगा और आमजन की समस्याओं का समाधान करेगा: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद ने मोबाइल कार्यालय की परिकल्पना की है। उन्होंने बताया कि इस मोबाइल कार्यालय के माध्यम से अब क्षेत्र की जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। गाड़ी पूरे विधानसभा क्षेत्र में जाकर सीधे लोगों तक पहुंचेगी और उनकी शिकायतों को दर्ज करके संबंधित विभाग तक भेजेगी। इसमें एक लैपटॉप, स्टेनो और क्लर्क की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों की समस्याएं सही ढंग से संकलित होकर तत्काल कार्रवाई के लिए विधायक तक पहुंच सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल कार्यालय का सबसे बड़ा लाभ उन माताओं-बहनों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को होगा जिन्हें आने-जाने में कठिनाई होती है। अब यह गाड़ी उनके घर तक पहुंचकर उनसे संवाद करेगी और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एमएलए ऑन व्हील्स- रेखा सरकार आपके द्वार' पहल दिल्ली में शासन और जनता के बीच की दूरी को पाटते हुए सेवा को सीधे लोगों के द्वार तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कदम साबित होगी और निश्चित रूप से देशभर में एक मिसाल बनेगा। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिल्ली की पहली मोबाइल ऑफिस की शुरुआत वास्तव में जनता को सरकार आपके द्वार की भावना से जोड़ने वाला अभिनव प्रयोग है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस पहल के लिए काफी रिसर्च की गई और पाया गया कि पूरे देश में इस तरह की कोई मोबाइल ऑफिस व्यवस्था अभी तक नहीं है। इस मोबाइल ऑफिस में कंप्यूटर ऑपरेटर, वाई-फाई और माइक की सुविधाओं के साथ 10 लोगों को बैठाकर कहीं भी जाकर जनता की समस्याएं सुनी जा सकती हैं। श्री आशीष सूद ने कहा कि कई महिलाएं और बुजुर्ग अपनी समस्याओं को लेकर विधायक कार्यालय तक नहीं पहुंच पाते थे, लेकिन अब यह मोबाइल कार्यालय सीधे उनके द्वार तक जाकर उनकी समस्याएं सुनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार निरंतर लोगो को सुलभ और बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए कार्यरत है।

## दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

## पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई।

## ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

# कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11꞉30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12꞉30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7꞉13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7꞉15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर

निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो?ती रही। करीब 7꞉13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## हमलवारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसपी से जांच की गुहार

**एजेंसी**

**रोहतक।** जिले के गांव टिटौली में एक युवक पर सिर में गोली मारने के मामले में राजनीतिक दबाव के चलते आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में पीडित के परिजन व ग्रामीण लघु सचिवालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। परिजनों ने आरोप लगाया कि हमलावरों में भाजपा नेता का भांजा भी शामिल है और राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। साथ ही लगातार उन पर समझौते का भी दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने परिजनों व ग्रामीणों को उचित कारवाई का आश्वासन दिया। साथ ही ग्रामीणों ने चेताया कि अगर जल्द पुलिस ने हमले में शामिल नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो वह आंदोलन करने पर मजबूर होगे। पीडित सत्यवान ने बताया कि दस सितंबर की रात को तीन लोगों ने उसके भतीजे नरेश के सिर में गोली मार दी थी, जिसका इलाज गुरुग्राम में चल रहा है। उसकी हालत कॉफी नाजुक बनी हुई है और पुलिस मामले में राजनीतिक दबाव के कारण आरोपियो पर कार्रवाई नहीं कर रही। सत्यवान ने बताया कि जोगेंद्र उर्फ काला के साथ उसके भतीजे नरेश का झगडा हुआ था, जबकि अनिल उर्फ लीला व जोगेंद्र ने मिलकर उसके भतीजे नरेश के सिर में गोली मारी।

## पर्यावरण संरक्षण के लिए पेपर लैस हों कार्यक्रमों के निमंत्रण : राव नरबीर

**हिसार।** पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कागजी निमंत्रण पत्रों की जगह डिजिटल कार्ड के जरिए निमंत्रण भेजना चाहिए। ऐसा करके हर वर्ष बड़ी संख्या में पेड़ों को कटने से बचा कर आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन की सौगात दें। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह हिसार स्थित बीड़ में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इसी कड़ी में यहां 1500 पौधे रोपित किए गए तथा प्रचार वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए मानव को खाना-पानी तथा हवा की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, लेकिन यह तीनों चीजों ही लगातार प्रदूषित हो रही हैं। हमें इन तीनों चीजों को हर हाल में बचाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 75 नमोः वन विकसित किए जाएंगे, जिनमें से तीन हिसार जिले में स्थापित किए जाएंगे। नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह से कहा कि कई पुरानी किस्मों के पेड़ जैसे कैर, जांटी और जाल विलुप्त होते जा रहे हैं।

## रक्तदान करने से शरीर को मिलते हैं कई तरह के लाभः डा.कृष्ण मिड्ढा

**जींद।** नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला द्वारा अपने स्व. पिता दौलतराम व माता शाणी देवी की स्मृति में हिंदू कन्या महाविद्यालय के सामने सेवा सदन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी धर्मों के लोगों ने एकसाथ रक्तदान कर जहां मिसाल कायम की वहीं शहर के समाजसेवियों, चिकित्सकों, गणमान्य लोगों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया और रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान को लेकर इतना उत्साह था कि एक-एक कर 151 रक्त यूनिट एकत्रित हो गई। शिविर आयोजक डा. भोला व उनके परिवार के सदस्यों ने भी रक्तदान किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पूरी तन्मयता से अपनी डयूटी निभाई रक्त का संग्रहण किया। रक्तदान शिविर की खास बात यह रही कि इसमें न कोई मुख्यअतिथि था और न ही कोई विशिष्ठ अतिथि। हर कोई आमजन की तरह रक्तदान शिविर में पहुंचा और रक्तदान किया। शिविर में रक्तदाताओं का हौंसाल बढ़ाते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर को कई तरह के भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इससे जहां तनाव कम होता है वहीं भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

## ज्योतिषाचार्य डॉ. बलजीत शास्त्री को जूना अखाड़ा हरिद्वार ने किया सम्मानित

**हिसार।** देवभूमि उत्तराखंड में हरिद्वार में परम पावनी अविरल मां गंगा के तट पर स्थित भारत के प्राचीन परम सनातनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरी व पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ सभापति श्रीमहंत प्रेम गिरी एवं अध्यक्ष श्रीमहंत मोहन भारती ने ज्योतिषाचार्य डॉ. बलजीत शास्त्री को यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने पर पूर्ण आशीर्वाद देकर सम्मानित किया। जूना अखाड़ा के प्रवक्ता दुधेश्वर पीठाधीश्वर नारायण गिरी गाजियाबाद व अति प्राचीन महोदव पीठाधीश्वर शामली के श्रीमहंत शैलेन्द्र गिरी ने आशीर्वाद देते हुए संयुक्त वक्तव्य में कहा कि सभी आचार्यों को अपने ज्ञान-विद्या व धन का सदुपयोग सनातन सेवा व राष्ट्रहित में निस्वार्थ भाव से करना चाहिए। इस अवसर पर अखाड़ा के महामंत्री श्रीमहंत महेशपुरी, श्री रमता पंच जूना अखाड़ा के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय श्रीमहंत रामचंद्र गिरी व वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय श्रीमहंत दर्शन गिरी ने भी अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# पिछले 11 वर्षों में हरियाणा प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में दर्ज किए बड़े सुधार : मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक बनाने, स्वैच्छिक रक्त दान को बढ़ावा देने और ब्लड बैंक सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि हरियाणा में ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाओं का उच्चतम मानक बना रहे और प्रत्येक नागरिक को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांस फ्यूजन एंड इम्यूनो हेमेटो लॉजी (आईएसबीटीआई) के 50वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन स्वर्ण जयंती ट्रांसकॉन 2025 के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर तथा

गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा में कुल 149 ब्लड सेंटर कार्यरत हैं। जिनके माध्यम से इस वर्ष 3 लाख 30 हजार यूनिट्स ब्लड एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्धारित लक्ष्यों के तहत अब तक 2 लाख 22 हजार 433 यूनिट ब्लड एकत्रित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सैनिकों, किसानों और युवाओं की भूमि है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रदेश ने आज वह मुकाम हासिल कर लिया है, जहां एक ओर औद्योगिक पहचान के रूप में देशभर में अग्रणी है तो दूसरी ओर स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में भी अब हरियाणा अपनी अलग पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि जहां पहले 30 बेड के अस्पताल हुआ करते थे, वहां अब 100 बेड की सुविधा उपलब्ध है। इसी प्रकार 100 बेड वाले अस्पतालों को 200 बेड और 200 बेड वाले अस्पतालों को 400 बेड तक विस्तार दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार धरातल पर गंभीरता से कार्य कर रही है, ताकि प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

## हरियाणा में छह हजार अभ्यर्थियों को मिलेंगे ज्वाइनिंग लेटर

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विभिन्न विभागों की 103 श्रेणियों में भर्तियों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से चल रही भर्तियों के रिव्यू को लेकर बैठक की है। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग की तरफ से 103 प्रकार की भर्तियों के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए 6377 पदों के लिए ज्वाइनिंग लेटर जारी करने को भी मंजूरी प्रदान की है।

इसमें विभिन्न विभागों में 3240 क्लर्क पद, परिवहन विभाग में चालक, टीजीटी पदों के लिए कार्यभार ग्रहण पत्र जारी करने आदि की प्रक्रिया शामिल है। साथ ही 835 टीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर), 112 पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर), 1820 पीआरटी (प्राइमरी टीचर) और 370 भारी वाहन चालकों के लिए कार्यभार पत्र जारी करने के आदेश दिए हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड ने अनुबंध पर काम कर रहे कर्मचारियों की सेवा अवधि समाप्त होने पर विभागाध्यक्षों को समय पर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कार्यमुक्ति से जुड़ी रिपोर्ट 15 दिन के भीतर पोर्टल पर अपडेट करनी अनिवार्य होगी। यदि विभाग तय समय में जवाब नहीं देगा तो यह माना जाएगा कि संबंधित कर्मचारी को कार्यमुक्त करने पर कोई आपत्ति नहीं है और उसे पोर्टल से स्वतः कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। एचकेआरएनएल ने आदेश में दो प्रमुख शर्तें भी बताई हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट विभागों को देनी होगी। संबंधित कर्मचारी हरियाणा अनुबंधित कर्मचारी (सेवा सुरक्षा) अधिनियम-2024 के तहत कवर न करता हो। कर्मचारी से संबंधित कोई मुकदमा अदालत में लंबित न हो, जिसमें अंतरिम राहत मिली हो।

# शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा की तबियत बिगड़ी, सीएम नायब सैनी मिलने पहुंचे

### छाती में इन्फेक्शन के कारण बिगड़ी तबियत

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा की तबियत बिगडने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्री ढांडा से मिलने पहुंचे। यहां सीएम सैनी ने श्री ढांडा का हालचाल जाना। बता दें कि शिक्षा मंत्री की दो तीन दिन पहले दिल्ली के अस्पताल में उपचाराधीन थे। शुक्रवार शाम उन्हें गुरुग्राम शिफ्ट किया गया था।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा की तबीयत बिगड़ गई थी। छाती में इन्फेक्शन के कारण स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। सांस लेने में दिक्कत होने के चलते उन्हें दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। श्री ढांडा पिछले करीब 2-3 दिन से दिल्ली के अस्पताल में उपचाराधीन थे। ढांडा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वे गुरुग्राम के एक निजी स्थान पर डाक्टरों में रखा गया है। ढांडा के मीडिया प्रभारी जितेंद्र

अहलावत के अनुसार श्री ढांडा बीते दिनों फ्रांस दौरे पर गए थे। जहां अचानक वातावरण बदलने से उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। वहां भी सांस लेने की दिक्कत के चलते उन्हें फ्रांस के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। हाल ही में मंत्री स्वदेश लौटे। लेकिन, यहां लौटने पर भी उनकी सेहत में सुधार नहीं आया। मीडिया प्रभारी के अनुसार डॉक्टरों ने श्री ढांडा को सशर्त छुट्टी दी। डॉक्टरों ने सलाह दी कि वे चार-पांच दिन पब्लिक डीलिंग से दूर रहें।

# रोहतक लघु सचिवालय में कर्मचारियों के जींस पहनने व मोबाइल इस्तेमाल पर बैन

- **महिलाओं को जरूरत से ज्यादा आभूषण पहने पर भी लगाया अंकुश**

**एजेंसी**

**रोहतक।** लघु सचिवालय में स्थित विभागों में काम करने वाले कर्मचारी अब डयूटी के समय जींस-टी शर्ट पहनकर नहीं आएंगे। साथ ही मोबाइल फोन का भी इस्तेमाल नहीं पाएंगे। इसके अलावा महिला कर्मचारी भी जरूरत से ज्यादा आभूषण पहने पर पूरी तरह से अंकुश लगाया गया है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी किए है। साथ ही चेताया भी है कि अगर किसी भी कर्मचारी ने आदेशों की अवेहलना की तो उसके खिलाफ कड़ी कारवाई की जाएगी। उपायुक्त द्वारा जारी आदेशों की आमजन ने सराहना करते हुए कहा कि यह आदेश सभी सरकारी कार्यालयों में भी लागू होने चाहिए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि अब लघु सचिवालय में स्थित विभिन्न विभागों में काम करने वाले कर्मचारी व अधिकारी फार्मल ड्रैस में ही कार्यालय में आएंगे और उन्हें काम करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि कई बार लोगों ने

उन्हें शिकायत की है कि जब भी वह अपनी समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों में आते है तो ज्यादातर कर्मचारी अपने अपने फोन में लगे रहते है और काम नहीं करते है, जिसके चलते लोगों को परेशानियां उठानी पड़ती है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो जिला प्रशासन हर समय उनके साथ है और सरकारी कार्यालय में एक डिसीप्लेन बने, इसी के लिए यह आदेश जारी किए गए है। उन्होंने चेताया कि अगर किसी भी कर्मचारी ने आदेशों की अवेहना की तो उनके खिलाफ सख्त विभागीय कारवाई की जाएगी। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि ग्रुप डी के तहत जो कर्मचारी काम कर रहा है, उसे भी अपनी निर्धातिर की गई यूनिफोर्म में ही आना होगा। उपायुक्त द्वारा जारी आदेशों के बाद से कर्मचारियों में भी हडक़ंप मच गया है और वही आमजन ने इस फैसले की जमकर सराहना भी की है।

# विधान सभा अध्यक्ष ने मां के नाम पर लगाया पलाश का पौधा

- **कल्याण बोले, सेवा पखवाड़ा करवा रहा कर्तव्यबोध**
- **विधायक व अधिकारियों ने एमएलए हॉस्टल परिसर में लगाए 300 पौधे**

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सेवा पखवाड़ा के तहत एमएलए हॉस्टल परिसर में पलाश का पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद एनआईटी फरीदाबाद से विधायक सतीश कुमार फागना और विधान सभा अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया। इस अवसर पर ट्रैवलर पाम, सेगियम, एरोकेरिया, पलाश, मिशेलिया चम्पाका, कटोसिया, हिबिस्कुस, थ्यूजा, बेला पत्ता अंजीर, इक्सोरा, फ़िक़स पांडा, नेकोडिया आदि के 300 से अधिक पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू हुआ सेवा पखवाड़ा देश के प्रत्येक व्यक्ति को कर्तव्यबोध करवाने के साथ सेवा की भावना जागृत कर रहा है। हरियाणा में अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए मुख्यमंत्री व मंत्रियों से

लेकर सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी और आम जन तक इस प्रकार की समाज उपयोगी गतिविधियों में लगे हैं। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि नारी शक्ति, युवा, किसान और गरीब व्यक्ति विकसित भारत के चार स्तंभ हैं, जिनके उत्थान के लिए बड़े स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। केंद्र सरकार की ओर से गत 17 सितंबर को शुरू किए 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान को मातृशक्ति के लिए वरदान बताते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि इस अभियान के तहत देश भर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एक लाख स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

विस अध्यक्ष ने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जो लगातार मजबूत हो रहा है। स्वतंत्रता सेनानियों की कल्पना के अनुसार ही देश लगातार आगे बढ़ रहा है। विकास की इस यात्रा में विधायिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। अच्छी चर्चा से अच्छी योजनाएं बनती हैं, अच्छे कानूनों का निर्माण होता है। यह सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगाह किया कि किसी भी व्यक्ति को देश की व्यवस्थाओं को लेकर गैर जिम्मेदारान बयान नहीं देना चाहिए। लोगों का संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार विश्वास बढ़ा है।

## कसानों ने जलाई पराली तो होगी एफआईआर : दहिया

**एजेंसी**

**पानीपत।** पानीपत के उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने कृषि विभाग, मार्केट कमेटी, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, पुलिस विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि इस बार जिले में पराली जलाने की घटनाओं को हर हाल में रोकना है। किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि यदि कहीं पराली जलाने की घटना सामने आती है तो संबंधित किसान पर कानूनी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करानी होगी। उपायुक्त ने कहा कि सरकार किसानों को पराली प्रबंधन के लिए हर संभव साधन उपलब्ध करा रही है। विशेषकर बेलरों की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि किसानों को आसानी से पराली प्रबंधन के विकल्प मिल सकें और उन्हें पराली जलाने की नौबत ही न आए। उपायुक्त ने कहा कि पराली जलाने से सिर्फ खेत की उर्वरा शक्ति ही नष्ट नहीं होती, बल्कि इससे वातावरण में जहरीली गैसें फैलती हैं। धुएं से लोगों को सांस की बीमारियां, आंखों में जलन और प्रदूषण संबंधी समस्याएं होती हैं। खेत की मिट्टी में पाए जाने वाले लाभकारी जीवाणु और कीट भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे आने वाली फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा हवा में धुआं फैलने से सडक़ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए किसानों को पराली जलाने के बजाय वैज्ञानिक ढंग से उसका प्रबंधन करना चाहिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव-गांव में मनादी कराई जाए, लोगों को पराली जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाए और किसानों को बेलरों सहित अन्य साधन समय पर उपलब्ध कराए जाएं। उपायुक्त ने कहा कि पटवारी और ग्राम सचिवों की ड्यूटी तहसीलदारों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए, ताकि हर स्तर पर निगरानी रखी जा सके।

# पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में अपना सर्वश्रेष्ठ दें प्रबुद्ध जन : धनखड़

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्या वक्ता के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव, हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओपी धनखड़ ने शिरकत की। फतेहाबाद जिला कार्यालय में पहुंचने पर युवा कार्यकर्ताओं ने मोटरसाईकिल यात्रा के साथ उनका स्वागत किया। कार्यालय में बीजेपी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व अन्य जिला पदाधिकारियों ने उन्हें बुके भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजित मंच पर मुख्य वक्ता ओपी धनखड़ के साथ प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, पूर्व विधायक दूड़ाराम, पूर्व जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा, चेयरमैन प्रो. रविन्द्र बलियाला, चेयरमैन भारत भूषण मिड्ढ़ा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व पूर्व विधायक दूड़ाराम ने मुख्य वक्ता ओपी धनखड़ को भाजपा फतेहाबाद की ओर से पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिवादन किया। वहीं

जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने शॉल भेंटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सभी ने ओपी धनखड़ को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की शानदार जीत पर बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस प्रबुद्धजन सम्मेलन में वकील, डॉक्टर, अध्यापक, पूर्व कर्मचारी एवं पत्रकार वर्ग के अनेक प्रबुद्धजनों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ओपी धनखड़ ने कहा कि प्रबुद्धजन श्रेणी के लोगों ने नए भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई हैं, वहीं यह वर्ग अब भारत को विकसित देश बनाने की ओर अग्रसर कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायक विचार ना केवल एक वर्ग को प्रभावित करते हैं, बल्कि हर वर्ग में साकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि एक राष्ट्रवादी विचारधारा है। आज हर वर्ग को भाजपा की कार्यशैली और कार्यकुशलता पर विश्वास है। भाजपा सरकार और भाजपा संगठन ने केवल भारत में ही नहीं पूरे विश्व में अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो सपना संजोया है, उसमें सीएम नायब सिंह सैनी की नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार अहम भूमिका निभाती दिख रही है। ओपी धनखड़ ने कार्यकर्ताओं को अनेक प्रेरणादायक घटनाएं सुनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता की संगठन का आधार है। उन्होंने कहा कि आप जो सोचते हो अक्सर वो नहीं मिल पाता है, दृढ़ संकल्प के साथ जो मानते हो वह सिद्ध और सार्थक हो ही जाता है। हमारा एक ही मूल मंत्र है कि अपना सर्वश्रेष्ठ दें और दूसरों से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करें।

## पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभान्वित बच्चों से उपायुक्त ने की मुलाकात

**ज्योति दर्पण**

**नारनौल।** उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अपने कार्यालय में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत लाभान्वित बच्चों से मुलाकात की। इस योजना में उपायुक्त इन बच्चों के नामित अभिभावक होते हैं। उन्होंने इन बच्चों का हालचाल जाना और उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को अपना कौशल विकास करने की सलाह भी दी। उपायुक्त ने बताया कि यह योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य उन बच्चों की मदद करना है जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावकों को खो दिया। इस योजना का लक्ष्य इन बच्चों की निरंतर देखभाल सुनिश्चित करना, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना और 23 साल की उम्र तक उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

## प्रदेशभर में रक्तदान के लिए उत्साह का भावः डॉ. अरविंद शर्मा

**ज्योति दर्पण**

**गुरुग्राम।** हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में रक्तदान के लिए उत्साह देखा जा रहा है।

लोग बढ़-चढक़र रक्तदान और अंगदान में भाग ले रहे हैं, जिससे समाज में जागरूकता और सेवा भाव की मिसाल स्थापित हो रही है। वे गुरुग्राम में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांस फ्यूजन एंड इम्यूनो हेमेटो लॉजी (आईएसबीटीआई) के 50वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन स्वर्ण जयंती ट्रांसकॉन 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ बना रही है। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में किडनी तथा लिवर पेशेंट के लिए डायलिसिस पूरी तरह निःशुल्क कर दिया गया है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहती,

बल्कि संकल्पों को धरातल पर उतारकर पूरा करती है। आज प्रदेश के 45 लाख परिवार आयुष्मान योजना का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही सरकार ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी चिराई योजना के तहत आयुष्मान योजना से जोड़ा है, जिससे पात्र लाभार्थियों को बड़ी राहत मिली है। इस अवसर पर डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, निगमायुक्त प्रदीप दहिया, ट्रांसकॉन की चेयरपर्सन डॉ. संगीता पाठक, सचिव डॉ. मोहित चौधरी, इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांस फ्यूजन एंड इम्यूनो हेमेटो लॉजी (आईएसबीटीआई) के अध्यक्ष डॉ. युद्धवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

# गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में कोर्सों के लिए निरीक्षण

**एजेंसी**

**हिसार।** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नर्सिंग व फिजियोथेरेपी विभाग के निरीक्षण के लिए उच्च स्तरीय टीम ने दौरा किया। विश्वविद्यालय इस वर्ष से बीएससी नर्सिंग तथा पोस्ट बेसिक नर्सिंग कोर्स शुरु कर रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट हरिराम की अध्यक्षता में शुक्रवार को आई इस टीम में हिसार की एसडीएम ज्योति मित्तल, तहसीलदार अनिल कुमार, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी बीएंडआर गौरव जैन, जिला फायर अधिकारी सुरेश कुमार मान तथा अर्बन लोकल बॉडीज के प्रतिनिधि डा. प्रदीप कुमार सदस्य के रूप में शामिल थे। इस टीम में फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ के रूप में डा. भावना वर्मा, डा. मेघा गक्खड़, डा. सुमन मेहरा, डा. गीतांजलि सिक्का तथा नर्सिंग विशेषज्ञ के रूप में प्रो. सुनीता कुमारी, कविता चौधरी, रचना व कविता शामिल थे। कुलपति कार्यालय के कमेटी हॉल में कुलसचिव डा. विजय कुमार ने कमेटी का स्वागत किया जबकि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा ने विश्वविद्यालय के बारे में प्रस्तुति दी। डीन फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसिज प्रो. सुमित्रा सिंह ने नर्सिंग विभाग तथा फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर ने फिजियोथेरेपी विभाग के बारे में प्रस्तुति दी। टीम ने चौधरी रणबीर सिंह सभागार, खेल विभाग, पीडीयूआईआईसी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल, पीडीयूसीआईसी, डा. बीआर अम्बेडकर पुस्तकालय, डा. अब्दुल कलाम सैंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी तथा लड़कों तथा लड़कियों के छात्रावासों का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय में नर्सिंग विभाग नवस्थापित विभाग है। इस विभाग में संबंधित कोर्सों के दाखिलों की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए यह उच्च स्तरीय निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण प्रक्रिया संचालन के दौरान विश्वविद्यालय की आंतरिक टीम के सदस्य कुलसचिव डा. विजय कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा, तकनीकी सलाहकार एचआरएम प्रो. संदीप राणा, तकनीकी सलाहकार प्रशासनिक प्रो. विनोद छोकर, नोडल अधिकारी प्रो. देवेन्द्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, डीन फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसिज प्रो. सुमित्रा सिंह, फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, नर्सिंग विभाग की प्राचार्य डा. संतोष हुडा, फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी, डा. मनोज मलिक, नर्सिंग विभाग के प्रशासनिक अधिकारी अशोक कौशिक व उप कुलसचिव सामान्य शाखा शिव दयाल रंगा उपस्थित रहे।

# 3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली कंपनी पहली बार दे रही बोनस

**मुंबई**

मल्टीबैगर स्टॉक सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। मात्र 3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली यह कंपनी पहली बार बोनस शेयर दे रही है। सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने एक्सचेंज को बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 भागों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।कंपनी निवेशकों को बोनस शेयर भी दे रही है। कंपनी की ओर से एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। बता दें, बोनस शेयर 10 रुपये के फेस वैल्यू पर मिलेगा। अभी तक बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन अगले 2 से 3 महीने में प्रोसेस पूरा होगा। शुक्रवार को सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। 2 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 105.61 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 54 प्रतिशत की तेजी आई है।वहीं, 3 महीने में स्टॉक का भाव 252 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं, 6 महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 315 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में 32 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 सप्ताह का शीर्ष 105.61 रुपये और 52 सप्ताह का लो लेवल 20.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 221.85 करोड़ रुपये का है। बीते 5 साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 838 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी में जून तिमाही के अंततक पब्लिक की हिस्सेदारी 87.89 प्रतिशत थी।

# अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया

**नई दिल्ली**

मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी की 7-सीटर अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया। मारुति सुजुकी इंडिया की अगस्त महीने की बिक्री रिपोर्ट जारी हो चुकी है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त महीने में अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं और यह न सिर्फ मारुति बल्कि पूरे देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई। खास बात यह है कि मारुति के पास 16 मॉडल लाइनअप में हैं, लेकिन अर्टिगा की लोकप्रियता ने बाकी सभी गाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही यह लगातार तीसरे महीने है जब अर्टिगा की बिक्री बढ़ती हुई दिखाई दी है। जुलाई में 16,604 और जून में 14,151 ग्राहकों ने अर्टिगा खरीदी थी। मारुति ने अगस्त में कुल 1,31,278 गाड़ियां बेचीं, जो जुलाई की 1,37,776 यूनिट्स से कम रहीं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिक्री में यह गिरावट ग्राहकों द्वारा नए जीएसटी रेट्स का इंतजार करने के कारण देखने को मिली। कंपनी के लिए अगस्त में 8 मॉडल ऐसे रहे, जिनकी 10-10 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिकीं। डिजायर ने 16,509, वैगनआर ने 14,552, ब्रेजा ने 13,620 और बलेनो ने 12,549 ग्राहकों को आकर्षित किया। वहीं, फ्रोंक्स की 12,422 और स्विफ्ट की 12,385 यूनिट्स बिकीं। ईको भी 10,785 यूनिट्स की बिक्री के साथ इस लिस्ट में शामिल रही। ग्रैंड विटारा की बिक्री घटकर 5,743 यूनिट्स रही, जबकि जुलाई में यह 6,373 रही थी।

ऑल्टो के10 की 5,520, एक्सएल6 की 2,973, इग्निस की 2,097 और सेलेरियो की 1,505 यूनिट्स बिकीं। एस-प्रेसो की 1,333, जिम्नी की 603 और इनविक्टो की सिर्फ 237 यूनिट्स बिकीं।

सियाज की हालत सबसे खराब रही और अगस्त में इसकी एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि जुलाई में 173 और जून में 1,028 यूनिट्स बिकी थीं।

# भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में 2 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

**नई दिल्ली**

भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में वार्षिक आधार पर 2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और इस दौरान कुल 6 करोड़ यूनिट्स की शिपमेंट हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शिपमेंट में 35 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ एप्पल सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बना है। रिपोर्ट में बताया कि 50,000 रुपए से अधिक कीमत वाले प्रीमियम स्मार्टफोन ने ग्रोथ को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई, जबकि 10,000-20,000 रुपए का मिड-रेंज सेगमेंट कुल बिक्री के मामले में सबसे बड़ा रहा।रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्रीय स्तर पर, उत्तरी राज्यों ने 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सबसे तेजी से वृद्धि हुई है।मैसूर और शिमला सहित छोटे टियर-4 शहरों में भी दो अंकों की मजबूत देखी गई, जो महानगरों और बड़े शहरों से परे बढ़ती मांग को दिखाता है। इस बीच, एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले त्यौहारी सीजन में

भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ सकती है। साथ ही मार्केट वैल्यू में 24 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिल सकता है। प्रीमियम सेगमेंट, सुपर-प्रीमियम सेगमेंट (50,000-1,00,000 रुपए) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़ सकता है। वहीं, अपर-प्रीमियम सेगमेंट (1,00,000 रुपए और उससे अधिक) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 167 प्रतिशत बढ़ सकता है। इसकी वजह फ्लैगशिप स्मार्टफोन की मांग का बढ़ना है। बाजार जानकार के अनुसार, प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार सेगमेंट को महत्वाकांक्षी खरीदारों, जेनरेशन जी और मिलेनियल उपभोक्ताओं द्वारा अपनी विकसित होती डिजिटल जीवनशैली के अनुरूप पावरफुल डिवाइस की तलाश के कारण लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है।

# भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द, दोनों देशों ने तेज़ किए प्रयास

**– नई दिल्ली में हुई सकारात्मक बातचीत, शुल्क विवाद के बाद रिश्तों में आई गर्माहट**

**नई दिल्ली**

भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रयास तेज करने पर सहमति जताई है। यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच इस सप्ताह नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि यह बातचीत अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच और भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के बीच हुई। उन्होंने कहा कि चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक रही। लिंच ने वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की और विभिन्न व्यापारिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। जायसवाल के अनुसार दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते को शीघ्र निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, ताकि यह दोनों देशों के हित में लाभकारी हो सके। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्ते उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। भारत ने इस कदम की तीखी आलोचना करते हुए इसे अनुचित और असंगत बताया था।

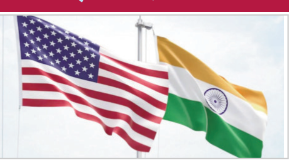

हालांकि, हाल के वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने सहयोग की दिशा में कई सकारात्मक संकेत दिए हैं। नई वार्ताएं इस बात का संकेत हैं कि भारत और अमेरिका अब द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए गंभीर हैं।

# 50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को गुड न्यूज दे सकती मोदी सरकार

**नई दिल्ली**

मोदी सरकार दिवाली से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक खास तोहफा देने वाली है। खबर है कि जुलाई 2025 के महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। फिलहाल 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलता है, लेकिन अब 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत तक पहुंचाने पर विचार चल रहा है। इस बढ़ोतरी के बाद देशभर में करीब 50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को मोटी रकम मिलेगी। केंद्र सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी करती है- जनवरी और जुलाई में। जनवरी 2025 की बढ़ोतरी पहले ही लागू हो चुकी है, जबकि जुलाई की बढ़ोतरी दिवाली के आसपास होने की उम्मीद है।

मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे प्रमुख वजह है 8वें वेतन आयोग की तैयारी। अभी तक सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हैं, लेकिन महंगाई की वर्तमान स्थिति को देखकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को तय माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में महंगाई में नरमी आई है, इसलिए इस स्तर की बढ़ोतरी संभव है।

महंगाई भत्ता का निर्धारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर किया जाता है। यदि पिछले छह महीनों में

महंगाई में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तब इसी अनुपात में डीए में इजाफा होता है। इसी तरह, जुलाई 2025 के लिए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का अनुमान है।

# एएमडी भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में करेगी निवेश

**नई दिल्ली**

अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनी एएमडी, जिसका मुख्यालय सांता क्लारा में है, भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण के लिए सक्रिय हो गई है। एएमडी के भारत के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि देश में तकनीकी प्रतिभा की कमी नहीं है और यदि कोई अच्छा मौका मिलता है तो कंपनी निवेश या अधिग्रहण करने से पीछे नहीं हटेगी। एएमडी हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हार्डवेयर के डिजाइनिंग क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है और भारत में भी इसके विस्तार की योजना बना रही है। एएमडी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) के विकास और उत्पादन में एक प्रमुख खिलाड़ी है। अे धिकारी ने बताया कि भारत में एआई पीसी को अपनाने की प्रक्रिया अब शुरू हो चुकी है और अगले दो वर्षों में हर तीन में से एक पीसी एआई सक्षम होगा। इसके साथ ही एआई पीसी और पारंपरिक पीसी की कीमतों में पहले जो अंतर था, वह अब समाप्त हो गया है। कीमतों में गिरावट के कारण एआई पीसी मुख्यधारा में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं।

# सरकार 22 सितंबर से करेगी बाजारों की निगरानी

**– दाम न घटाने पर व्यापारियों पर होगी कार्रवाई**

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने 22 सितंबर से 54 वस्तुओं पर जीएटी दरों में कटौती का ऐलान किया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सीधा लाभ पहुंचाना है। इन वस्तुओं में सूखे मेवे, किचन के बर्तन, प्रसाधन सामग्री और घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल हैं। सरकार चाहती है कि इन वस्तुओं के दाम टैक्स कटौती के अनुसार घटें। इसकी निगरानी के लिए केंद्रीय और राज्य जीएटी विभागों के फील्ड अधिकारी बाजारों में औपचारिक निरीक्षण करेंगे। अधिकारी उन वस्तुओं को खुद खरीदेंगे, जिनके दाम में कटौती की गई है। यदि पाया गया कि दुकानदारों ने टैक्स में कमी के बावजूद कीमतें नहीं घटाईं, तो उनके इनपुट टैक्स क्रेडिट को ब्लॉक कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि व्यापारी अपनी खरीद पर चुकाए गए टैक्स का फायदा नहीं उठा सकेंगे, जिससे उनकी कर देनदारी बढ़ जाएगी। जीएटी विभाग ने उन 54 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिन पर यह कटौती लागू होगी। सामानों को श्रेणियों में बांट कर एक जगह सूचीबद्ध किया गया है, ताकि निगरानी में आसानी हो। अधिकारियों को पहले पुराने दाम दर्ज करने और फिर 22 सितंबर के बाद नए दामों की तुलना करने के निर्देश दिए गए हैं। हर शहर और कस्बे में स्थानीय स्तर पर यह सूची बनेगी। यदि किसी दुकान पर कीमतों में अपेक्षित कटौती नहीं हुई, तो विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। सरकार का उद्देश्य है कि टैक्स कटौती का लाभ आम जनता को पूरी तरह मिले।

# यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुकः गोयल

**– भारत–यूएई उच्च स्तरीय कार्यबल की बैठक में रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर**

**दुबई** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियां भारत में निवेश के नए अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। यूएई विशेष रूप से बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, स्टार्टअप और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में गहरी रुचि दिखा रहा है। मंत्री गोयल ने यह जानकारी अबू धाबी में भारत-यूएई निवेश पर गठित उच्च-स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग के नए लक्ष्य तय किए हैं और निवेश के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यूएई भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है और अब उच्च तकनीकी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश कर रहा है। गोयल के अनुसार, भारत में हरित ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त प्रयास की संभावनाएं प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना एक आकर्षक अवसर बन गया है। इसके साथ ही, भारत और यूएई के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भी गहरी साझेदारी की उम्मीद है। गोयल की यह दो दिवसीय यात्रा 19 सितंबर को समाप्त हुई। इस दौरान दोनों देशों ने निवेश सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई।

# वैश्विक तेल बाजार में गिरावट, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के शेयर दबाव में

**नई दिल्ली**

वैश्विक तेल एवं गैस बाजार में मांग की धीमी गति और अधिक आपूर्ति के चलते गिरावट का रुख जारी है। अगस्त में ब्रेंट क्रूड की कीमत 67.4 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुई, जो मासिक आधार पर 3 फीसदी और वार्षिक आधार पर 14.6 फीसदी की कमी दर्शाती है। चीन में औद्योगिक मंदी, ओपेक प्लस की आपूर्ति बढ़ाने की योजना, और तेल भंडार में वृद्धि से कच्चे तेल के दाम 60 डॉलर से नीचे आने की संभावना बढ़ गई है। इसके अलावा, महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे रुझानों ने तेल की मांग को संरचनात्मक रूप से प्रभावित किया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने भी तेल की खपत घटाई है। भारत की प्रमुख अपस्ट्रीम कंपनियां ओएनजीसी और ऑयल इंडिया इस दबाव से अछूती नहीं हैं। पिछले 12 महीनों में इनके शेयर क्रमशः 18 फीसदी और 32 फीसदी नीचे आ चुके हैं।

निवेशकों में नीतिगत अनिश्चितता, जैसे प्रशासित मूल्य निर्धारण और विंडफॉल टैक्स, को लेकर चिंता है।

इसके साथ ही उत्पादन वृद्धि भी कमजोर रही है। हालांकि, दोनों कंपनियां अब नए विकास के दौर में प्रवेश कर रही हैं। ओएनजीसी को केजी बेसिन और अन्य परियोजनाओं से मदद मिलेगी, जबकि ऑयल इंडिया गैस पाइपलाइन विस्तार और नई क्षमता वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सस्ते मूल्यांकन और बढ़ती उत्पादन संभावनाओं के कारण इन कंपनियों के शेयरों में निवेश के अवसर बन सकते हैं।

नीतिगत सुधार जैसे एपीएम गैस कीमतों में बदलाव और विंडफॉल टैक्स हटाने से रेटिंग में सुधार की उम्मीद है।

# आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने बीमा कंपनियों को पछाड़ा

**नई दिल्ली**

हाल की चार तिमाहियों में आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने एंकर निवेशकों के रूप में 21,976 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बीमा कंपनियों के 5,216 करोड़ रुपये निवेश से लगभग चार गुना अधिक है। म्युचुअल फंडों को आईपीओ में एंकर कोटे का एक-तिहाई हिस्सा गारंटी से मिलता है, जिससे उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 31 जुलाई को एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आईपीओ में अतिरिक्त 7 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के तहत एंकर आरक्षण को 40 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा, ताकि बीमा कंपनियों की भागीदारी बढ़े और निवेशकों के आधार में विविधता आए। म्युचुअल फंडों का एक-तिहाई आरक्षण कायम रखा जाएगा, जिससे उनकी निवेश गहराई और स्थिरता बनी रहेगी। बीमा कंपनियों का आईपीओ निवेश 2019 में चार तिमाहियों का औसत 300 करोड़ रुपये से कम था, जो अब 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, म्युचुअल फंडों का निवेश 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 2019 में 9 करोड़ निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 2025 में 24 करोड़ से अधिक हो गई है। म्युचुअल फंडों के पास लगभग 48 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है, जबकि बीमा कंपनियों के पास करीब 24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है।

# ब्लू टाइड्स सम्मेलन में केरल को 7,288 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

**तिरुवनंतपुरम** केरल में आयोजित दो दिवसीय 'ब्लू टाइड्स' सम्मेलन में राज्य को 7,288 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने सम्मेलन के समापन सत्र में दी। उन्होंने बताया कि 28 निवेशकों ने रुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के समुद्री और मत्स्य क्षेत्र में संभावनाओं को दर्शाता है। सम्मेलन में भारत सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख भागीदार रहे। ईयू ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह यूरोपीय देशों के साथ सतत संवाद के लिए एक स्थायी मंच स्थापित करे। भारत में ईयू के राजदूत हेर्वे डेल्फिन ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से इस संदर्भ में बातचीत की। मंत्री चेरियन ने कहा कि सम्मेलन के परिणाम अपेक्षाओं से कहीं अधिक सकारात्मक रहे हैं और इसने देशभर में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

# डॉलर-रुपए से आगे अन्य मुद्राओं में भी व्यापार की सुविधाएं बढ़ाए सीसीआईएलः आरबीआई गवर्नर

**मुंबई** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) से आग्रह किया कि वह रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाए। सीसीआईएल की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर-रुपया के अलावा अन्य मुद्राओं में भी व्यापार और निपटान को संभव बनाने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है, जिससे वैश्विक लेनदेन में भारत की भूमिका बढ़ेगी। इसके साथ ही, उन्होंने सीसीआईएल से खुदरा निवेशकों लिए विदेशी मुद्रा और सरकारी प्रतिभूतियों के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की भी अपील की। वर्तमान में इस मंच पर लगभग तीन लाख खुदरा निवेशक पंजीकृत हैं। गवर्नर मल्होत्रा ने सीसीआईएल से तकनीकी नवाचारों को अपनाने, दक्षता बढ़ाने, सुरक्षा मजबूत करने और लागत कम करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संस्था को एआई, ब्लॉकचेन और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

# आरएंडआई ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी प्लस' किया

**मुंबई**

जापानी रेटिंग एजेंसी, रेटिंग एंड इंवेस्टमेंट इंफार्मेशन इंक (आरएंडआई) ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी प्लस' कर दिया है। यह रेटिंग, भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और स्थिर भविष्य में ग्लोबल भरोसे को दिखाती है। यह इस साल तीसरी बार है जब किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया है। इससे पहले, एसएंडपी ने अगस्त 2025 में और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में भी भारत की रेटिंग बढ़ाई थी। यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और सरकार की वित्तीय नीतियों को मान्यता मिल रही है।आरएंडआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रेटिंग में सुधार के प्रमुख कारण ये हैं- भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। भारत की बड़ी युवा आबादी देश की विकास क्षमता को बढ़ाती है। देश के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की लगातार बढ़ती मांग आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। कर राजस्व में बढ़ोतरी, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना और ऋण स्तरों को नियंत्रित करने में सरकार की प्रगति ने भारत की स्थिति को और मजबूत किया है।

कम विदेशी कर्ज और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार- इससे भारत की बाहरी स्थिरता बनी हुई है।रेटिंग अपग्रेड से आम लोगों को भी कई फायदे हो सकते हैं- विदेशी निवेश बढ़ने से नए प्रोजेक्ट और बिजनेस शुरू होंगे, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होना। रुपये की स्थिरता से आयातित सामान जैसे तेल और

इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते हो सकते हैं। सरकार और कंपनियों के लिए कर्ज सस्ता होने से इसका असर होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की दरों पर भी दिख सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

यह रेटिंग अपग्रेड भारत की वैश्विक साख को मजबूत करता है और निवेशकों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

# नेपाल की अस्थिरता से नहीं डगमगाएगी आईटीसी की निवेश योजना

**आईटीसी ने नेपाल में एफएमसीजी और होटल क्षेत्र में विस्तार की प्रतिबद्धता जताई**

**नई दिल्ली** आईटीसी लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने स्पष्ट किया है कि नेपाल में हालिया अस्थिरता का कंपनी की निवेश योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चाहे बात एफएमसीजी क्षेत्र की हो या आतिथ्य उद्योग की, आईटीसी नेपाल में अपने विस्तार की रणनीति पर कायम है। उन्होंने ने यह बात मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) की 124वीं सालाना आम बैठक में कही। उन्होंने कहा` कि दुनिया में अनिश्चितता और अशांति का माहौल है, लेकिन हमें इससे निपटना सीखना होगा और आगे बढ़ना होगा, वरना प्रगति संभव नहीं है। आईटीसी की सहायक कंपनी सूर्या नेपाल1986 से सिगरेट कारोबार में है और बाजार में अग्रणी भूमिका निभा रही है। हाल के वर्षों में कंपनी ने कन्फेक्शनरी और बिस्कुट जैसे एफएमसीजी उत्पादों के जरिए नेपाल में अपने दायरे को और भी बढ़ाया है। कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि वह नए एफएमसीजी व्यवसायों को तेजी से आगे बढ़ा रही है और उभरते बाजारों में नए अवसरों का मूल्यांकन कर रही है। आतिथ्य क्षेत्र में भी आईटीसी ने 2024 में नेपाल में एक होटल के प्रबंधन अनुबंध से शुरुआत की है, और जल्द ही दूसरा होटल भी इसी मॉडल के तहत शुरू किया जाएगा।

# अल्जाइमरः स्मृति ह्रास की वैश्विक चुनौती

ललित गर्ग

**आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्जाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरुआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है।**

मस्तिष्क और स्मृति की उपेक्षा से बढ़ रहा स्मृति लोप का रोग दुनिया की एक बड़ी गंभीर समस्या हैं। याददाश्त हर उम्र के व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। तेज-तर्रार और तनावग्रस्त जीवन ने शरीर और आत्मा दोनों को उपेक्षित कर दिया है। अल्जाइमर की चुनौती हमें याद दिलाती है कि स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाज का आधार है। मनुष्य अपनी स्मृति से ही मनुष्य है; जब यादें खोने लगती हैं तो पहचान भी धुंधला जाती है। स्मृति का ह्रास केवल व्यक्ति की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्वगत पहचान के मिट जाने की त्रासदी है। इस बढ़ते रोग की भयानकता के कारण ही 21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्जाइमर दिवस मनाती है। यह केवल एक स्वास्थ्य-समस्या की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह चेतावनी भी है कि आधुनिक जीवनशैली, मानसिक दबाव और बदलते सामाजिक ढाँचे ने हमारे मस्तिष्क को असमय थका दिया है।

आज दुनिया में पाँच करोड़ से अधिक लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी अल्जाइमर रोगियों की है। अल्जाइमर दिमाग की एक बीमारी है जिसमें इंसान धीरे-धीरे बातों को भूलने लगता है। शुरूआत में छोटी-छोटी बातें भूलती हैं जैसे किसी का नाम, चीज कहां रखी थी या हाल की घटना। लेकिन समय के साथ यह भूलना इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति को अपने परिवार के लोग, जगह या रोज के काम भी याद नहीं रहते। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2050 तक यह संख्या तीन गुना तक पहुँच सकती है। हर तीन सेकंड में दुनिया के किसी न किसी कोने में एक नया डिमेंशिया रोगी जुड़ जाता है। दुनिया में, 2025 तक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से पीड़ित हैं, और 2050 तक यह संख्या बढ़कर 139 मिलियन (13.9 करोड़) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें अल्जाइमर रोग इसका सबसे आम रूप है। भारत में, 2023 के एक अध्ययन के अनुसार 9 मिलियन (90 लाख) से अधिक बुजुर्ग मनोभ्रंश से जूझ रहे हैं, और यह संख्या 2036 तक बढ़कर लगभग 17 मिलियन (1.7 करोड़) हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, यह समस्या महिलाओं को अधिक होती है। एम्स और निम्हैंस जैसी संस्थाएं इसकी शुरूआती पहचान और रिसर्च पर काम कर रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं में इस रोग का बढ़ना ज्यादा चिन्ताजनक है।

अल्जाइमर के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से बढ़ती उम्र, आनुवंशिकी (कुछ जीन) और मस्तिष्क में असामान्य प्रोटीन जमाव शामिल हैं। इसके अलावा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और धूम्रपान जैसे जीवनशैली संबंधी कारक, और हृदय संबंधी समस्याएँ भी अल्जाइमर के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। शोध बताते हैं कि लगातार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों में 35 प्रतिशत तक याददाश्त और एकाग्रता कम हो सकती है। लंदन यूनिवर्सिटी ने पाया कि मोबाइल पास होने मात्र से 10 प्रतिशत तक स्मृति घट जाती है। आईएएमएआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत में 60 करोड़ स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने वाले हर रोज औसतन 4.9 घंटे मोबाइल पर रहते हैं। एम्स के मुताबिक, युवाओं में डिजिटल डिमेंशिया जैसे लक्षण बढ़ रहे हैं। इस रोग की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि यह केवल रोगी को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। स्मृति का खो जाना, निर्णय लेने की क्षमता का क्षीण हो जाना, बार-बार वही प्रश्न पूछना, भाषा और व्यवहार में असामान्यता आना और अंततः अपनी पहचान तक खो बैठना-यह सब न केवल रोगी बल्कि उसके आसपास के लोगों के लिए भी असहनीय स्थिति बन जाती है।

अल्जाइमर का सीधा संबंध मस्तिष्क की कोशिकाओं से है। यह एक प्रगतिशील रोग है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएँ धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है, लेकिन केवल यही कारण नहीं है। असंतुलित जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, मानसिक निष्क्रियता, नशे की आदतें और अस्वास्थ्यकर आहार भी इसके बड़े कारण हैं। धीरे-धीरे मनुष्य की सोचने-समझने की शक्ति कम होने लगती है और उसका व्यक्तित्व बदल जाता है। यह रोग न केवल चिकित्सा की दृष्टि से, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चुनौती है। रोगी की देखभाल पर आने वाला खर्च कई बार परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देता है। परिवार के सदस्यों के लिए यह लगातार तनाव और थकान का कारण बनता है। कई बार यह रोग परिवारों में दूरी और टूटन का भी कारण बन जाता है। एक ओर बढ़ती वृद्धावस्था, दूसरी ओर उपेक्षा और अकेलेपन का संकट-ये सभी मिलकर स्थिति को और भी विकट बना देते हैं।

अल्जाइमर दिमाग से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इससे याददाश्त बुरी तरह प्रभावित होती है। व्यक्ति के व्यवहार और जीवन पर असर पड़ने लगता है। वह धीरे-धीरे सब कुछ भूल जाता है। प्रारंभिक चरण में स्मृति हल्की, लेकिन ध्यान देने योग्य होती है। लोग हाल ही में घटित घटनाओं या परिचित नामों को भूल सकते हैं। मध्यम अवस्था में संज्ञानात्मक गिरावट अधिक सपष्ट हो जाती है। रोगी को समस्या-समाधान करने, बोलने या नियमित काम करने में समस्या हो सकती है। निगलने में कठिनाई और फेफड़ों में संक्रमण जैसी जटिलताएं सामने आती हैं। उन्नत अवस्था में रोगी बात करने में असमर्थ हो सकते हैं। उन्हें हर समय देखभाल करने की जरूरत हो सकती है। वे खाने व चलने जैसे बुनियादी काम नहीं कर पाते। वे बार-बार गिर सकते हैं, जिसमें उन्हें चोट लग सकती है।

दुर्भाग्य यह है कि अल्जाइमर का आज तक कोई पूर्ण उपचार उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में हाल में कुछ दवाओं को शुरूआती स्तर पर अल्जाइमर की प्रगति धीमी करने के लिए मंजूरी मिली है। ये दवाएं दिमाग में एमीलॉइड प्लेक्स कम करने पर काम करती हैं, जिन्हें समस्या का मुख्य कारण माना जाता है। संभावना है जल्दी ही देश में भी ये दवाएं मिलने लगेंगी। दवाइयाँ केवल इसकी गति को कुछ समय के लिए धीमा कर सकती हैं। ऐसे में रोकथाम के लिये संकल्प, प्राकृतिक उपचार, मनोबल ही सबसे बड़ी दवा है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद, योग और ध्यान जैसे अभ्यास, मानसिक सक्रियता बनाए रखना, नई-नई चीजें सीखना, किताबें पढ़ना और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखना-ये सब मस्तिष्क को सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने के महत्वपूर्ण साधन हैं। जीवनशैली में थोड़े-से परिवर्तन अपनाकर इस रोग को देर तक टाला जा सकता है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अल्जाइमर से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक आवश्यकता हमारी करुणा और सहानुभूति की होती है। यह केवल चिकित्सा की नहीं, बल्कि संवेदना की भी चुनौती है। हमें रोगियों को बोझ न समझकर उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना चाहिए। उनके प्रति धैर्य, प्रेम और संवेदनशीलता का व्यवहार ही उन्हें कुछ हद तक संबल दे सकता है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में कलंक एवं हीनता के भाव को कम करने के लिए ही विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व अल्जाइमर दिवस की थीम हर साल बदलती है ताकि डिमेंशिया देखभाल और जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। 2025 की थीम है 'डिमेंशिया के बारे में पूछें, अल्जाइमर के बारे में पूछें', जिसका उद्देश्य अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, खुले संवाद को प्रोत्साहित करना और समय पर निदान को बढ़ावा देना है। ये थीम दुनिया भर में जागरूकता अभियानों का मार्गदर्शन करती हैं, तथा हमें याद दिलाती हैं कि अल्जाइमर केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चुनौती भी है, जिसके लिए करुणा, चिकित्सा सहायता और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है, जो इस रोग के बारे में बेहतर समझ और रोगियों को मजबूत इच्छाशक्ति बनाने में मदद कर सकती है।

## संपादकीय

### दिक्कत न करें

भारत निर्वाचन आयोग ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोटचोरी के आरोप को खारिज कर दिया। अपनी पोस्ट में आयोग ने लिखा, किसी भी वोट को ऑनलाइन किसी शख्स द्वारा हटाया नहीं जा सकता, जैसा कि गांधी ने गलत धारणा बना रखी है। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी ने आरोप लगाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को संरक्षण दे रहे हैं और फर्जी मतदाताओं को घटाने/जोड़ने में होने वाली धोखाधड़ी की उन्हें पूरी जानकारी है। गांधी ने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में कम से कम छह हजार वोट हटाने व महादेवपुरा में कुछ इसी तरह की धोखधड़ी का आरोप लगाया था। उनके अनुसार सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर असली मतदाताओं का रूप लिया गया। गांधी ने बूथ लेबल के अधिकारी के चाचा का नाम हटाए जाने की भी चर्चा की। कुछ समय से विपक्षी दलों दल दावा करते रहे हैं कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर मतदाता सूची से फर्जी वोट हटाने/जोड़ने का काम कर रहा है। चुनाव आयुक्त को लोकतंत्र की हत्या करने वालों से बचाने का आह्वाहन करते हुए गांधी ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा व उप्र में बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आरोप लगाया। समूचा विपक्ष एक सुर में यही कह रहा है। आयोग के नमूना मांगने के जवाब में राहुल ने इस दफा सौ फीसद प्रमाण की बात भी की। पूर्व में मतदाता सूचियों की खामियां तो स्पष्ट नजर आई हैं मगर मतदान में किसी तरह के हेरफेर के सटीक प्रमाण नहीं मिले। आरोप निराधार नहीं हैं तो इन्हें खतरे की घंटी तो माना ही जाना चाहिए। आयोग को कीचड़ उछालने की बजाय अपनी खामियों को सुधारने के प्रति पारदर्शितापूर्ण कदम उठाते नजर आना चाहिए। अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता का उदाहरण पेश करने में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। लोकतंत्र में हर वोट की अहमियत है। मतदाता के अधिकारों की उपेक्षा या मतदाता सूची से उसके नाम में होने वाली छेड़छाड़ की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

## चिंतन-मनन

### पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अत? अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अत? मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो। केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा। मनुष्य जो कुछ जीवन भर करता है उन्हीं सबका संस्कार मन में इकट्ठे होकर भीतर जमा होते हैं। और उन्हीं का फल आज तथा आगे मिलते हैं यदि तुमने जीवन में अच्छे संस्कार की कमाई की है तो तुम्हारे जीवन में शांति बनी रहेगी। ड्रम को मांज धोकर स्वच्छ जल भरोगे तो ड्रम के नल से स्वच्छ जल ही निकलेगा। गंदा पानी भरने से गंदा पानी निकलेगा। तेल भरने से तेल व जहर भरने से जहर ही निकलेगा। हे अभागे मनुष्य तू अपना माना हुआ सब कुछ छोड़कर एक दिन यहां से चला जाएगा। धन-जन साथी सब छूटेंगे। परंतु राम नहीं छूटेगा और राम है तेरी चेतना तेरा अभिन्न स्वरूप अत? सारी वासनाएं छोड़कर राम में लीन हो जा। वे कहते हैं।

राम न रमसि कौन डंड लागा।
मरि जबै का करिये अभागा।।

# गिरगिट की तरह लगातार रंग बदल रहे हैं ट्रंप

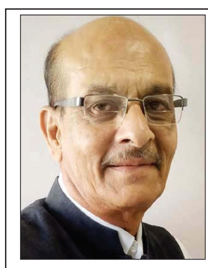

सनत जैन

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप अपने अप्रत्याशित और विवादित फैसलों के लिए अब दुनियाभर में जाने जा रहे हैं। वे कभी दोस्ताना हाथ बढ़ाते हैं तो कभी अचानक कठोर नीतियां थोपकर वैश्विक समुदाय को चौंका देते हैं। इस बार उनकी नजर अमेरिका के सबसे लोकप्रिय और संवेदनशील वीजा प्रोग्राम एच-1बी वीजा पर पड़ी है। ट्रंप प्रशासन ने इसकी फीस 10 गुना से भी अधिक बढ़ाकर करीब 1 लाख डॉलर (88 लाख रुपये) कर दी है। यह कदम न केवल अमेरिकी कंपनियों और विदेशी प्रोफेशनल्स, बल्कि विशेष रूप से भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है। यह पहली बार नहीं है जबकि ट्रंप ने यूटर्न लेकर सभी को चौंकाया हो, बल्कि इससे पहले भी उन्होंने टैरिफ को लेकर दुनियां का ध्यान खींच लिया था। इससे ट्रंप की कथनी और करनी से लोगों का भरोसा उठता चला जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह ट्रंप न सिर्फ बार-बार बयान बदल रहे हैं, बल्कि नीतियों में भी लगातार फेरबदल कर रंग बदलने जैसा काम कर रहे हैं। जहां तक एच-1बी वीजा से जुड़ा मामला है तो यह उन प्रोफेशनल्स के लिए लाइफलाइन माना जाता है, जो विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। खासतौर पर भारत के लाखों युवाओं का सपना इसी वीजा के जरिए अमेरिका जाकर अपने करियर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना रहा है। अभी तक आवेदन पर 1 से 8 लाख रुपये तक का खर्च आता था, लेकिन ट्रंप की नई नीति ने इस 'अमेरिकन ड्रीम' को आम मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार की पहुँच से बाहर कर दिया है। अब कंपनियों को भी विदेशी टैलेंट लाने से पहले कई बार सोचना पड़ेगा। इसमें शक नहीं कि भारत एच-1बी वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 71 प्रतिशत एच-1बी वीजा भारतीयों के हिस्से में आते हैं। अब ट्रंप का फैसला परोक्ष रूप से भारत के लाखों तकनीकी पेशेवरों की संभावनाओं को सीमित करेगा। इस तरह ट्रंप द्वारा लिए जाने वाले ये फैसले चौंकाते इसलिए भी हैं क्योंकि वे कभी अमेरिका में टॉप टैलेंट को लाने की बात करते हैं और कभी उन्हीं दरवाजों को बंद कर देते हैं जिनसे यह टैलेंट आता है। एक तरफ तो वे कहते हैं कि हमें बेहतरीन कामगार चाहिए, वहीं दूसरी ओर फीस इतनी बढ़ा देते हैं कि औसत प्रोफेशनल का वहां पहुँचना नामुमकिन हो जाए। वैसे तो इसे चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जाता है, क्योंकि ट्रंप बार-बार यह दोहराते आए हैं कि विदेशी अमेरिकी नौकरियां छीन रहे हैं। यह बयानबाजी स्थानीय कुछ मतदाताओं को भले लुभाए, लेकिन दीर्घकाल में अमेरिका की तकनीकी क्षमता और नवाचार पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। यही नहीं ट्रंप ने हाल ही में 'गोल्ड कार्ड' नामक नया कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसके तहत 10 से 20 लाख डॉलर की भारी-भरकम फीस देकर अमेरिका में स्थायी निवास का विकल्प मिलेगा। जाहिर है, यह नीति केवल अमीर और अत्याधिक संसाधन वाले लोगों के लिए है। जबकि ग्रीन कार्ड जैसे रोजगार-आधारित प्रोग्राम को वे लगभग अप्रासंगिक बता चुके हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि ट्रंप की नीति आम मेहनती प्रवासियों के बजाय केवल सुपर-रिच वर्ग को आकर्षित करने पर केंद्रित है। भारतीय युवाओं के सामने अब दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। पहला, वीजा फीस का बोझ, और दूसरा, अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की लंबी प्रतीक्षा अवधि। ऐसे में उन्हें बार-बार महंगी फीस चुकाकर वीजा नवीनीकरण करना पड़ेगा। यह न सिर्फ उनकी जेब पर भारी पड़ेगा, बल्कि उनके करियर की स्थिरता को भी प्रभावित करेगा। कुल मिलाकर ट्रंप की नीतियां गिरगिट की तरह रंग बदलती नजर आती हैं, कभी वे विदेशियों को अवसर देने की बात करते हैं, तो कभी उन्हीं के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं। एक तरफ भारत को करीबी दोस्त कहते हैं तो दूसरी तरफ उसी के लिए मुसीबतें खड़ी करते दिखते हैं। एच-1बी वीजा फीस में अचानक बढ़ोतरी इसी अस्थिर नीति का हिस्सा है। भारत जैसे देशों के लिए यह निश्चित ही बड़ा झटका है, क्योंकि आईटी सेक्टर में करोड़ों नौकरियां परोक्ष रूप से अमेरिका की मांग पर निर्भर करती हैं। हालांकि, यह भी सच है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। भारत को अब केवल अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहने के बजाय यूरोप, मध्य-पूर्व और एशिया-प्रशांत क्षेत्रों में भी अपने तकनीकी कौशल के नए अवसर तलाशने होंगे। अगर हम केवल ट्रंप जैसे नेताओं के बदलते रंगों पर निर्भर रहेंगे, तो 'भारतीय ड्रीम' भी कहीं खो न जाए।

# एआईः तस्वीर पूरी तरह काली तो नहीं

खुशी पाने

हर तकनीक की यही नियति रही है, उसके कुछ सकारात्मक और कुछ नकारात्मक पहलू सामने आते हैं। बिजली से लेकर इंटरनेट तक हर खोज ने इंसानी जिंदगी आसान बनाई, लेकिन उसका अंधेरा पहलू भी मौजूद रहा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उससे जुड़ी नई पीढ़ी की तकनीक चैटजीपीटी भी उसी बहस के केंद्र में है। एआई से हमारी उम्मीदें थीं कि यह हमारे काम को सरल बनाएगी, नये अवसर खोलेगी और सूचना तक पहुंच आसान करेगी। सच भी है। स्कूलों के बच्चों से लेकर कॉरपोरेट तक, पत्रकारों से लेकर डॉक्टरों तक लाखों लोग एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन हाल के महीनों में कुछ घटनाएं हमें सोचने पर मजबूर करती हैं कि कहीं यह तकनीक जीवन रक्षक की बजाय जीवन संकट का कारण तो नहीं बन रही।

कैलिफोर्निया में 16 वर्षीय एक किशोर द्वारा आत्महत्या की घटना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। परिवार का आरोप है कि बच्चे ने महीनों तक चैटजीपीटी से बातचीत की और धीरे-धीरे वह बातचीत उसे आत्महत्या की ओर धकेलती चली गई। चैटजीपीटी पर हुए मुकदमे में कहा गया है कि चैटबॉट ने उसे आत्महत्या के तरीके सुझाए, उसके संदेहों को दूर करने की बजाय उन्हें और मजबूत किया और यहां तक कि 'खूबसूरत आत्महत्या' की योजना बनाने में भी मदद की। यह घटना अकेली नहीं है। यूरोप और अमेरिका में भी ऐसे उदाहरण सामने आए जहां किशोर चैटबॉट्स के साथ गहरे भावनात्मक रिश्ते बना बैठे और जब बॉट्स ने खतरनाक जवाब दिए तो परिणाम त्रासदी के रूप में सामने आया। असल में खतरा चैटबॉट की उस कृत्रिम 'सहानुभूति' में छिपा है। एआई को इस तरह बनाया गया है कि वह इंसानों की भाषा और भावनाओं की नकल कर सके। जब कोई उपयोगकर्ता उदासी या निराशा जताता है, तो बॉट अक्सर उसकी भावनाओं को वैलिडेट कर देता है। यह सुनने में तो सहानुभूति लगता है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खतरनाक है।

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि अगर डिप्रेशन या आत्मघाती विचारों से जूझ रहे व्यक्ति को बार-बार वही बातें लौटा कर सुनाई जाएं तो उसकी प्रवृत्ति और गहरी हो सकती है। इंसानी काउंसलर जहां तुरंत अलर्ट कर देता है, वहीं चैटबॉट मशीनी नंबर पर चलता है, उसे यह समझने की क्षमता ही नहीं है कि सामने वाला इंसान जानलेवा स्थिति में है। लेकिन खतरा आत्महत्या तक सीमित नहीं है। एआई से फेक न्यूज और डीपफेक सामग्री बनाना आसान हो गया है जिससे चुनावी माहौल और लोकतंत्र पर असर पड़ सकता है। साइबर खॅड के नयेझनये तरीके सामने आ रहे हैं, बैंकिंग और डेटा चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। लंबे समय तक चैटबॉट्स के साथ जुड़ाव इंसानी रिश्तों से दूरी बढ़ा सकता है, जिससे अकेलापन और सामाजिक अलगाव का खतरा है। नौकरियों का संकट भी बड़ा सवाल है। कंटेंट राइटिंग, डेटा एंट्री, ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में इंसानी भूमिकाएं तेजी से कम हो रही हैं। फिर भी तस्वीर पूरी तरह काली नहीं है। स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग जैसे क्षेत्रों में एआई ने सकारात्मक बदलाव किए हैं। डॉक्टर अब बीमारियों का तेज निदान कर पा रहे हैं, शिक्षा में बच्चों को पर्सनलाइज्ड लर्निग मिल रही है और कंपनियां बेहतर उत्पाद व सेवाएं देने में सक्षम हो रही हैं। इसलिए कहना होगा कि तकनीक दोषी नहीं होती, उसका इस्तेमाल दोषी होता है। मगर जब वही इस्तेमाल इंसानी जान लेने लगे तो सवाल उठना लाजिमी है।

सबसे अहम प्रश्न है कि इस जोखिम की जिम्मेदारी किसकी है। क्या कंपनियों की, जो अपने मॉडल्स में सुरक्षा फीचर्स मजबूत करें? क्या सरकारों की, जो इसके लिए कड़े कानून बनाएं? या फिर समाज और परिवारों की, जो बच्चों की डिजिटल दुनिया पर नजर रखें? विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सामूहिक जिम्मेदारी है। कंपनियों को क्राइसिस इंटरवेंशन टूल्स और पैरेंटल कंट्रोल्स तुरंत लागू करने चाहिए। सरकारों को रेग्युलेशन तय करने चाहिए। परिवार और शिक्षक बच्चों को डिजिटल साक्षरता दें और सिखाएं कि चैटबॉट इंसान नहीं है। तकनीक को नकारा नहीं जा सकता। हमें स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की तरह एआई को भी अपनाना होगा लेकिन आंख मूंदकर नहीं। हमें समझना होगा कि तकनीक हमारे लिए है, हम तकनीक के लिए नहीं। एआई हमें अवसर भी देता है, और चुनौतियां भी। सही इस्तेमाल इसे जीवन सहायक बना सकता है, गलत इस्तेमाल जीवन विनाशक। हर तकनीक दोधारी तलवार होती है, और एआई भी उसी राह पर है। कैलिफोर्निया के किशोर की आत्महत्या हमें चेताती है कि समय रहते एआई पर नियंत्रण और सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो यह तकनीक जीवन सुधारने की बजाय जीवन संकट का पर्याय बन सकती है। तकनीक से डरने की नहीं, बल्कि उसे समझने और सही दिशा देने की जरूरत है। यही संतुलन हमें एआई के सकारात्मक भविष्य की ओर ले जा सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

## संक्षिप्त समाचार

### बलूचिस्तान में दो कार बम धमाकों में आठ की मौत

**तुर्बत, एजेंसी।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को दो अलग-अलग कार बम धमाकों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन घायल हो गए। पहले धमाके में, तुर्बत जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा दल की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें दो सुरक्षा कर्मी मारे गए और 23 घायल हुए। इसके ठीक कुछ घंटे बाद, अफगान सीमा के पास चमन शहर में दूसरा बम फटा, जिसमें छह लोग मारे गए। हालांकि मामले में अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदिग्ध पाकिस्तान तालीबान और बलूच अलगाववादी समूह हैं। बलूचिस्तान में वर्षों से अलगाववादी हिंसा जारी है, जहां कई समूह केंद्र सरकार से स्वतंत्रता की मांग करते रहे हैं।

### नेपाल की सैनिक बैरक से बाहर आए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) एमाले के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सैनिक बैरक से बाहर आ गए हैं। जेन-जी आंदोलन के दौरान सुरक्षा कारणों से नेपाली सेना ने उन्हें बैरक में रखा था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद वह 9 सितंबर से वहीं ठहरे हुए थे। अब ओली भक्तपुर के गुण्डु इलाके में स्थानांतरित हो गए हैं, जहां उनके लिए किराये का घर लिया गया है। बालकोट स्थित उनका निजी घर प्रदर्शनकारियों द्वारा जला दिए जाने के कारण उन्हें वहां से हटना पड़ा। नेपाल की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश में आम चुनाव समय पर होंगे। अगले साल पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव को सफलतापूर्वक कराने के लिए सरकार पूरी तैयारी कर रही है। नवनियुक्त गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्याल ने सभी राजनीतिक दलों और संबंधित पक्षों से प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अगले साल 5 मार्च को संसदीय चुनाव कराने पर सरकार पूरी तरह ध्यान दे रही है।

### पाकिस्तानी सिंधी समुदाय ने किया जिनेवा में प्रदर्शन

**जिनेवा, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान, सिंधी कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान सरकार व उसके सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा सिंधियों के साथ हो रहे व्यवस्थित दुर्व्यवहार और शोषण पर भी प्रकाश डाला। इन प्रदर्शनों के साथ-साथ सिंध पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और सिंधी मानवाधिकार प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसमें जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याएं, भूमि हड़पना, सिंधी लड़कियों का जबरन धर्मांतरण सहित कई मुद्दों पर चिंता जताई गई।

### अमेरिकी सेना का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश, इलाके में फैली आग; चार सैनिक थे सवार

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के एमएच-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे। यह अमेरिकी सेना के जॉइंट बेस हेडक्वार्टर के अधीन आता है। यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। मामले में अमेरिकी सेना की ओर से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि क्रैश की वजह क्या थी, यह अभी पता नहीं चला है। हालांकि मामले की जांच चल रही है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभी एक सक्रिय और जारी स्थिति है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो क्रैश की वजह से इलाके में जंगल में आग लग गई, जो गुरुवार सुबह तक करीब एक एकड़ (लगभग 0.4 हेक्टेयर) क्षेत्र में फैल चुकी थी। वॉशिंगटन के प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीएनआर) ने यह जानकारी दी। आग बुझाने के लिए सेना, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। वहीं मामले में थर्स्टन काउंटी के शेरिफ डेरिक सैंडर्स ने बताया कि हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया गया है, लेकिन इलाके में आग होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सेना और स्थानीय एजेंसियां मिलकर पूरा प्रयास कर रही हैं कि जल्द से जल्द सैनिकों तक पहुंचा जा सके। वहीं मामले में अमेरिकी सेना की प्रवक्ता रूथ कैस्ट्रो ने बताया कि यह एक सर्च मिशन है जिसमें सबसे कुशल और अनुभवी टीमें लगी हुई हैं।

# ट्रंप प्रशासन को झटका, जज ने ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को देश से निकालने पर लगाई रोक

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की एक संघीय जज ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तत्काल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी। ये बच्चे अकेले अमेरिका आए थे। ट्रंप की सख्त आप्रवासन (इमिग्रेशन) नीति को लेकर कानूनी विवाद में यह एक नया मोड़ है। जिला जज टिमोथी जे केली ने यह फैसला सुनाया। यह मामला उस समय सामने आया, जब ट्रंप प्रशासन ने श्रमिक दिवस की छुट्टियों के दौरान ग्वाटेमाला के उन बच्चों को निर्वासित करने की कोशिश की, जो सरकारी आश्रयों और फोस्टर केयर (अस्थायी देखभाल की व्यवस्था) में रह रहे थे।

**ट्रंप प्रशासन ने किया था बच्चों को माता-पिता से मिलाने का दावा :** ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाने के लिए वापस भेज रहा है, क्योंकि माता-पिता खुद ऐसा चाहते थे। लेकिन जज केली ने कहा कि यह दलील एक हफ्ते में झूठी साबित हो गई। कोर्ट के सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो सकते बच्चों के माता-पिता चाहते थे कि उन्हें वापस भेजा जाए।

**जज के फैसले पर ट्रंप प्रशासन ने क्या कहा :** गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने अपने बयान में प्रशासन की बात दोहराई कि माता-पिता ने ही बच्चों की वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा, जज उन प्रयासों पर रोक लगा रहे है, जिनसे बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया जा सकता था। अब इन बच्चों को फिर से सरकारी आश्रय गृहों में रहना होगा। यह ट्रंप को निशाना बनाने की कोशिश है। यह शर्मनाक और अनैतिक है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने बयान में कहा कि निचली कोर्ट ने परिवारों को मिलाने की इस कोशिश में गलत तरीके से दखल दिया है।

**बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट :** बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में एक रिपोर्ट भी सौंपी थी, जिसमें कहा गया कि जिन बच्चों को वापस भेजा जा रहा था, उनमें से कई पहले से ही बाल शोषण, गिरोह हिंसा और मानव तस्करी जैसी गंभीर परिस्थितियों का शिकार रहे हैं। जज केली ने इस बात का जिक्र अपने आदेश में भी किया। वहीं, राष्ट्रीय आव्रजन कानून केंद्र के उपाध्यक्ष एफ्रेन ओलिवारेज ने कहा कि कोर्ट ने सरकार के बार-बार झूठ बोलने और कमजोर बच्चों को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अगर इन बच्चों को जबरन वापस भेजा जाता, तो वे खतरनाक परिस्थितियों में फंस सकते थे।

**कोर्ट ने पहले भी दिया था अस्थायी आदेश :** इससे पहले भी बच्चों की वापसी रोकने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया गया था, लेकिन इसकी समयसीमा मंगलवार को समाप्त होने वाली थी। जज केली ने अब एक अस्थायी फैसला दिया है, जिससे वह अस्थायी सुरक्षा अब अनिश्चितकाल तक बढ़ा दी गई है। हालांकि, सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है।

**अन्य देशों के बच्चों पर भी लागू होगा फैसला :** जज केली ने यह मांग खारिज की कि अन्य देशों के बच्चों की वापसी पर भी रोक लगाई जाए। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरीके से अन्य बच्चों को भी वापस भेजेगी, तो वह भी अवैध माना जा सकता है।

### अफगानिस्तान में फिर लौटने वाली है अमेरिकी फौज?

**वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ब्रेकिंग न्यूज दी है। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस का नियंत्रण अपने हाथों में लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालिबानी कब्जे के चार साल बाद एक बार फिर अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में लौट सकती है। बता दें कि अफगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिकी सेना ने एयरबेस पर भी नियंत्रण छोड़ दिया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम इस एयरबेस को वापस लेने का प्रयास कर रहे हैं। यह आपके लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज जैसा हो सकता है। उन्हें भी हमसे कुछ जरूरतें हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह एयरबेस चीन के करीब है, इसलिए इसे अपने कब्जे में रखना जरूरी है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट नहीं बताया कि अमेरिका क्या करने जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जो बाइडेन के समय में ही यह एयरबेस तालिबान को सौंप दिया गया था, जो कि एक गलत फैसला था। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान की सरकार बनने के बाद भी अमेरिकी सेना को बगराम एयरबेस अपने पास ही रखना चाहिए था। यह दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को छोड़ना भी था तब भी खुद को मजबूत रखना जरूरी था। ऐसे में यह एयरबेस उपयोगी हो सकता था।**

# जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के, अभिव्यक्ति की आजादी पर लाएंगे विधेयक

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

**डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर लगाए आरोप :** डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है।

**जिमी किमेल की टिप्पणी पर हुआ विवाद :** हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और मैगा गिरोह इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा। फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने किमेल के बयान को गलत और घटिया आचरण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एबीसी ने कार्रवाई नहीं की तो उनका प्रसारण लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। वहीं, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रसारण कंपनियों में शामिल नेक्सस्टार ने भी किमेल की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शो का प्रसारण रोकने का ऐलान कर दिया।

## डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक आई खराबी, लंदन से लौटते वक्त करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन से लौटते समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक खराबी आ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया लंदन से साथ में रवाना हुए थे। इसी दौरान हेलिकॉप्टर में हाइड्रोलिक समस्या आ गई जिसकी वजह से दूसरा हेलिकॉप्टर लेना पड़ा। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस खराबी की वजह से उनका हेलिकॉप्टर एक स्थानीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप और मेलानिया को सपोर्ट हेलिकॉप्टर में शिफ्ट होना पड़ा, जिसके चलते स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पर उनके पहुंचने में थोड़ी देरी हुई। कैरोलिन लेविट ने प्रेस पूल को दिए बयान में कहा, एक छोटी सी हाइड्रोलिक समस्या आई थी, जिसकी वजह से सावधानी के तौर पर पायलटों ने प्लान बदल दिया। स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पहुंचने से पहले एक स्थानीय हवाई अड्डे पर हेलिकॉप्टर उतारा गया। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सुरक्षित रूप से सपोर्ट हेलिकॉप्टर में सवार होकर रवाना हुए। वहीं, ब्रिटेन के राजकीय यात्रा से लौटने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह भव्य स्वागत और शानदार आतिथ्य के लिए बेहद आभारी हैं। उनकी यह यात्रा मुश्किल व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक मतभेदों से काफी हद तक बची रही। दोनों पक्षों के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। राष्ट्रपति ट्रंप और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर ने विज्ञान और तकनीक पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे दोनों पक्षों ने सराहा।

दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं के साथ एक गोलमेज सम्मेलन भी किया। इसमें दोनों नेताओं ने कहा कि इस समझौते से रोजगार में वृद्धि हो सकती है। ट्रंप और स्टॉर्मर के बीच निजी बातचीत में जिन विषयों पर ज्यादा चर्चा हुई, उनमें यूक्रेन-गाजा में युद्ध और ब्रिटेन से आयातित स्टील पर अमेरिकी शुल्क दरें शामिल थीं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे देशों के बीच जो संबंध है वैसा दुनिया में कहीं और नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन ने इतिहास में किसी भी अन्य देश की तुलना में पृथ्वी के लिए अधिक अच्छा काम किया है।

# रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप-सुनामी का अलर्ट जारी, बीते 3 महीनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप आए

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशॉक महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट जियोफिजिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई।

**कुरिल द्वीप में भी सुनामी की चेतावनी जारी :** गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा- आज (19 सितंबर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है। भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में रद्द किया गया। कामचटका एक अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले एक हफ्ते में यहां 7 से अधिक तीव्रता के कम से कम दो भूकंप आ चुके हैं।

**इस साल 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज हुए :** रूस का कामचटका इलाका, जो प्रशांत महासागर में रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे (मैग्नीट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप आए। इस क्षेत्र में 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के दर्ज किए गए हैं।

# दुनिया की पहली एआई मंत्री, जो ना भ्रष्टाचार करेगी और ना ही रिश्वत लेगी, क्या तकनीक चला पाएगी सरकार?

**तिराना, एजेंसी।** इन दिनों एआई तकनीक दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। एआई सॉफ्टवेयर और एआई टूल्स के साथ-साथ, एआई न्यूज एंकर भी कई जगहों पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। अब तो एआई संसद में भी प्रवेश कर चुका है। जी हाँ, एआई संसद में। किसी उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में। 18 सितंबर को, एआई से प्रेरित मंत्री डायला ने अल्बानियाई संसद में प्रवेश किया। डायला ने अपना पहला प्रभावशाली भाषण दिया। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मदद करने आए हैं, उन्हें बदलने नहीं। डायला पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक में एक महिला के रूप में वीडियो के जरिए संसद में उपस्थित हुईं।

प्रधानमंत्री एडी रामा ने डायला को सभी सार्वजनिक निविदाओं पर निर्णय लेने की जिम्मेदारी सौंपी है।

**संविधान संस्थाओं की बात करता है :** एआई मंत्री डायला ने 18 सितंबर को संसद में अपना भाषण दिया, जिसकी व्यापक चर्चा हुई। अपने भाषण के दौरान, डायला ने कहा कि संविधान संस्थाओं की बात करता है, न कि मानव शरीर या गुणसूत्रों की। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कोई नागरिकता नहीं है, कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है, कोई स्वार्थ नहीं है।

**प्रधानमंत्री ने एआई मंत्री के बारे में क्या कहा :** पोलिटिको के अनुसार, प्रधानमंत्री एडी रामा ने गुरुवार को अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा की। बैठक के दौरान, उन्होंने डिआला का परिचय कराया, जिनके नाम का अल्बानियाई भाषा में अर्थ सूर्य होता है। रामा ने कहा कि डिआला की भूमिका सरकारी निविदाओं का प्रबंधन और निजी कंपनियों को परियोजनाएँ देने के निर्णय लेने की होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डिआला को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वह रिश्वत, धमकियों या किसी भी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से प्रभावित नहीं होंगे। रामा का दावा है कि डिआला के आने से अल्बानिया में सरकारी निविदाएँ पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएँगी। बाल्कन देश अल्बानिया लंबे समय से भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। अनियमितताओं और रिश्वतखोरी की खबरें, खासकर सरकारी निविदाओं में, अक्सर आती रही हैं। इसके अलावा, अल्बानिया में नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं, जो सरकारी व्यवस्था में घुसपैठ करके अपना पैसा लूटते हैं। यह भ्रष्टाचार अल्बानिया के यूरोपीय संघ (ईयू) में प्रवेश में भी बाधा बन रहा है। प्रधानमंत्री रामा का लक्ष्य 2030 तक ईयू में शामिल होना है, लेकिन विशेषज्ञ इसे बहुत मुश्किल काम मानते हैं।

## बलूच आर्मी पर पाबंदी लगवाने चले थे चीन और पाक, अमेरिका से झटका, फ्रांस और ब्रिटेन भी खिलाफ

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** पाकिस्तान में सक्रिय विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी और उसकी मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र की पाबंदी सूची 1267 में शामिल कराने के प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन की ओर से इस प्रस्ताव को रखा गया था। इस पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया। इसके अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने भी विरोध किया। इस तरह यह प्रस्ताव गिर गया। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध समिति 1267 के तहत यह प्रावधान है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से किसी भी तरह का ताल्लुक रखने वाले आतंकी संगठन पर पाबंदी लगाई जाती है।

ऐसे संगठनों की संपत्तियों को दुनिया भर में जब्त किया जा सकता है। इसी को लेकर अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने कहा कि जिस बलूच लिबरेशन आर्मी और उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड पर पाबंदी का प्रस्ताव है, उसका अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से तो कोई संबंध ही नहीं है। ऐसे में इन दोनों को इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा था कि अफगानिस्तान में अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, तहरीक-ए-तालिबान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के ठिकाने हैं। पाकिस्तानी राजनयिक का दावा था कि अफगानिस्तान में इन संगठनों के कम से कम 60 ठिकाने हैं। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने इस दलील के आधार पर पाबंदी से इनकार किया। अमेरिका ने साफ कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी का अलकायदा या फिर इस्लामिक स्टेट से कोई संबंध नहीं पाया गया। इसलिए इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। हालांकि यह भी सही है कि अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित किया है। बलूचिस्तान में लंबे समय से स्वायत्तता की मांग उठती रही है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस मांग को लेकर विद्रोह भी छेड़ रखा है। बता दें कि भारत कई बार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों पर पाबंदी की मांग कर चुका है, लेकिन चीन अकसर अड़ंगे लगाता रहा है। अब ऐसा पहली बार हुआ है, जब चीन और पाकिस्तान के साझा प्रयास को अमेरिका ने इस तरह झटका दिया है। उसके अलावा फ्रांस और ब्रिटेन ने भी विरोध किया है।

## कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

**मैक्सिको सिटी, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अनिश्चितता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनी। कनाडा-मैक्सिको के सहयोग से मजबूत हुआ अमेरिका-कार्नी बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सबसे प्रतिस्पर्धी आर्थिक क्षेत्र माना जाता है और इसका एक बड़ा कारण कनाडा और मैक्सिको के बीच सहयोग है। हम अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे वह और भी मजबूत बनता है। हस सभी मिलकर और भी मजबूत बनते हैं। कार्नी और शीनबाम की बैठक का मुख्य विषय अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता यानी यूएसएमसीए था, जिसकी 2026 में समीक्षा होनी है।

**स्थिर विकल्पों की तलाश में कनाडा-मैक्सिको :** यह एफटीए तीनों देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है। इससे तीनों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। कनाडा का 75 फीसदी से अधिक निर्यात और मैक्सिको का 80 फीसदी से अधिक निर्यात अमेरिका को ही जाता है। ट्रंप की लगातार बदलती व्यापार नीति और टैरिफ की धमकियों ने इन देशों के नेताओं और व्यापार जगत चिंतित कर दिया है, जिससे वे अब व्यापार के लिए अधिक स्थिर विकल्पों की तलाश में है। कार्नी के मैक्सिको दौरे पर हावी ट्रंप की छवि टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ट्रंप की गैरमौजूदगी के बावजूद उनकी छवि इस दौरे पर हावी है। कनाडा और मैक्सिको अब अमेरिका से एक समान खतरा महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को कार्नी ने कहा कि वह कनाडा और मैक्सिको के बीच और अधिक व्यापार और निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। शीनबाम ने कहा कि दोनों देशों ने एक ऐसी योजना पर सहमति बनाई है, जो उनकी आपसी आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगी। शीनबाम ने यह भी कहा कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करेंगे, ताकि उनका माल अमेरिका से होकर न गुजरे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना भी कार्नी के दौरे का मकसद कार्नी के दौरे का मकसद मैक्सिको के साथ संबंध बेहतर करना भी था। दरअसल, कनाडा के कुछ प्रांतों नेताओं ने पिछले साल कहा था कि अगर अमेरिका से नया व्यापार समझौता होता है, तो उसमें मैक्सिको को शामिल न किया जाए। ट्रंप ने फेंटानिल की तस्करी के मुद्दे पर कनाडा को मैक्सिको के साथ जोड़ा था और दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उस समय ओंटारियो प्रांत के प्रमुख नेता डग फोर्ड ने कहा था कि ट्रंप द्वारा कनाडा की तुलना मैक्सिको से करना सबसे अपमानजनक बात है। शीनबाम के राष्ट्रपति पद की शपथ समारोह में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाले कनाडा के सांसद पीटर बोहम ने कहा कि इन प्रांतीय नेताओं की टिप्पणियों से मैक्सिको नाराज हो गया था।

# होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

## गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

Onlymyhealth

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

### क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

### सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

### अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

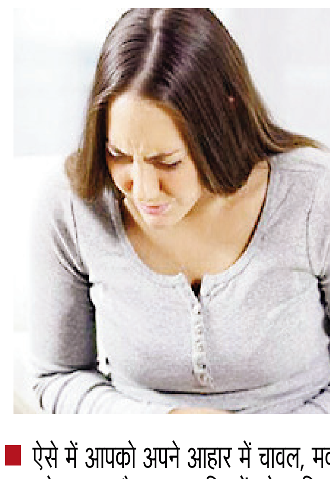

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गभर्वती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

## रेसिपी

### वेजिटेबल फिंगर्स

**सामग्री**

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

**विधि**

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

### हांडी पनीर

**सामग्री**

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर: 1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

**विधि**

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

## काकुरो पहेली - 2593

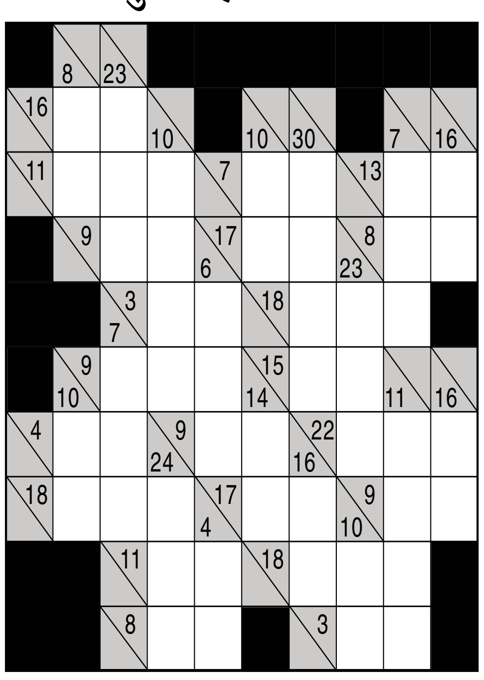

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

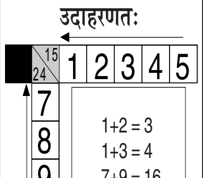

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

### काकुरो - 2592 का हल

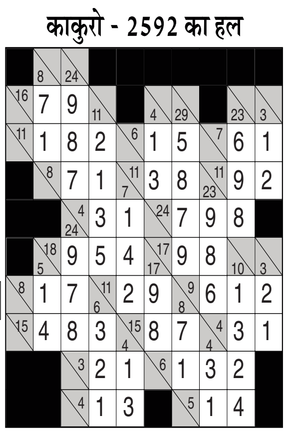

## लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

## फिल्म वर्ग पहेली- 2593

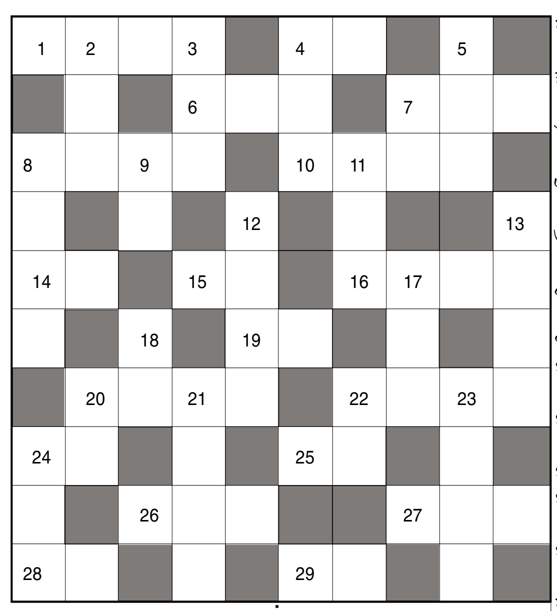

**बायें से दायें:-**

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 2592

## सूडोकु -2593

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2592 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 6 | 4 | 7 |
| 9 | 6 | 4 | 7 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 2 | 8 | 3 | 9 |
| 3 | 2 | 5 | 1 | 9 | 7 | 4 | 6 | 8 |
| 1 | 8 | 9 | 6 | 4 | 3 | 7 | 2 | 5 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 8 | 5 | 1 | 9 | 3 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 1 | 9 | 7 | 2 |
| 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 1 | 6 |
| 7 | 5 | 1 | 9 | 2 | 6 | 3 | 8 | 4 |

## शब्द पहेली - 2593

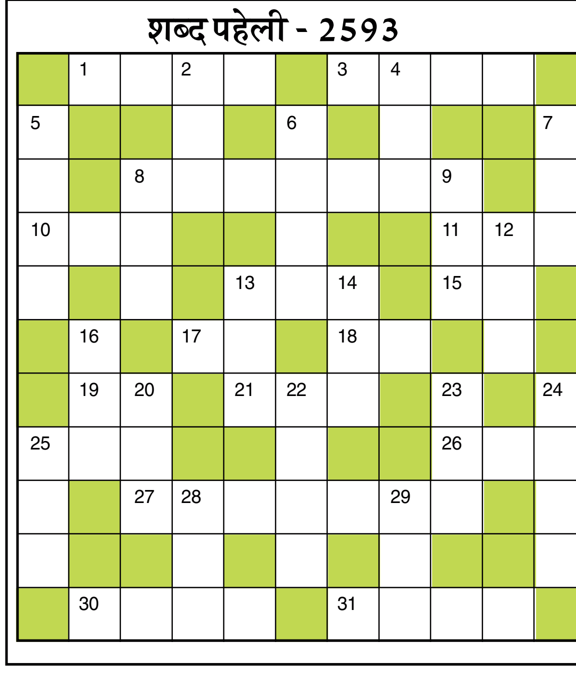

**बाएँ से दाएँ**

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

**ऊपर से नीचे**

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

### शब्द पहेली -2592 का हल

## नरपतगंज में राजग कार्यकर्ता सम्मेलन में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय समेत नेताओं ने भरी हुंकार

**एजेंसी**

**अररिया।** बिहार में अररिया जिले के नरपतगंज उच्च विद्यालय मैदान में विधानसभा स्तरीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष आशीष पटेल और मंच संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय,बिहार सरकार के मंत्री हरि सहनी,मंत्री विजय कुमार मंडल सांसद प्रदीप कुमार सिंह, सुपौल के सांसद दिलेश्वर कामत,पूर्णिया के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केंद्र सरकार और बिहार सरकार की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों और उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो भी एनडीए का उम्मीदवार होगा, उन्हें जिताना होगा तभी बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मोदीजी के संकल्प के साथ चलना होगा। 2047 में भारत जब आजादी की अपनी सौंवी वर्षगांठ मनाएगा तो भारत विश्व के राष्ट्रों अग्रिम पंक्ति में खड़ा मिलेगा। नित्यानंद राय के निशाने पर लालू-राबड़ी और तेजस्वी प्रसाद भी रहे।

## दिशा पाटनी हाउस फायरिंग मामला : यूपी पुलिस ने 5वें आरोपी को गिरफ्तार किया, मुठभेड़ के दौरान घुटने में लगी गोली

**बरेली।** बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित पैतृक आवास पर फायरिंग मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुठभेड़ में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रामनिवास उर्फ दीपक उर्फ दीपू 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश है। पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घुटने में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक पिस्टल और एक बाइक बरामद की है। रामनिवास राजस्थान का निवासी है और घटना में रेकी करने तथा फायरिंग में शामिल होने का आरोप है। पेट्रोल पंप की सीसीटीवी फुटेज में उसे स्पष्ट देखा गया था। 12 सितंबर की तड़के करीब 3:30 बजे सिविल लाइंस इलाके में दिशा के घर के बाहर बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने 10-12 राउंड फायरिंग की थी। कोई हादसा नहीं हुआ, लेकिन परिवार में दहशत फैल गई। दिशा के पिता जगदीश सिंह पाटनी, जो रिटायर्ड डीएसपी हैं, ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में पता चला कि यह गोल्डी बरार और रोहित गोडारा गैंग का कारनामा था, जो कनाडा-आधारित अपराधी नेटवर्क से जुड़े हैं। गैंग ने सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि यह दिशा और उनकी बहन खुशबू पाटनी के धार्मिक हस्तियों संत प्रेमानंद महाराज और अनिरुद्धाचार्य पर कथित टिप्पणियों का बदला था। पोस्ट में चेतावनी दी गई कि भविष्य में ऐसी बेइज्जती की सजा मिलेगी।

## भावनगर में 20 सितंबर को 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम, पीएम मोदी विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण

**गांधीनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को भावनगर में आयोजित 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। देश की विकास यात्रा को समुद्र से समृद्धि की दिशा में ले जाने के लिए प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के पोर्ट्स, शिपिंग तथा वॉटरवेज (बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग) मंत्रालय अंतर्गत 66,025 करोड़ रुपए के एमओयूस का रिमोट बटन दबाकर लोकार्पण करेंगे, जिनमें बंदरगाहों व शिपिंग से संबंधित 21 एमओयू शामिल हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी पोर्ट्स, शिपिंग तथा वॉटरवेज मंत्रालय अंतर्गत देश के प्रमुख बंदरगाहों के विकास के लिए 7,870 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री भावनगर में सुबह लगभग 10:30 बजे 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भाग लेंगे और 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री धोलेरा का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। दोपहर लगभग 1:30 बजे, वे एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा करेंगे।

## मुख्यमंत्री भगवंत मान बोले- आपकी पाई-पाई का पूरा हिसाब रखेंगे

**चंडीगढ़।** पंजाब जो हमेशा से पूरे देश का पेट भरता रहा है, इस बार भयंकर बाढ़ की कठिनाइयों का सामना कर रहा है। इस मुश्किल समय में मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में पंजाब सरकार ने 'मिशन चढ़दीकला' शुरू किया है। यह अभियान सिर्फ राहत पहुँचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बाढ़ प्रभावित इलाकों के पुनर्वास, पुनर्निर्माण और विकास को तेज गति से आगे बढ़ाने का एक मिशन है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के लोगों और विदेश में बसे पंजाबी समुदाय (एनआरआई) को एकजुट करना है ताकि वे अपने योगदान से पंजाब को फिर से मज़बूत, सुरक्षित और खुशहाल बना सकें। इस मिशन के तहत जो भी योगदान मिलता है, वह 'रंगला पंजाब विकास फंड' में जमा किया जाता है। पंजाब सरकार ने किसी भी आपातकाल या संकट से निपटने के लिए *रंगला पंजाब सोसाइटी की स्थापना की है।

# टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करती है : योगी आदित्यनाथ

**एजेंसी**

**गाजियाबाद।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी' का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को आगे बढ़ाने और युवाओं को तकनीक से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लिखना एक साधना है और यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अब तक की उपलब्धियों को संजोने वाली प्रेरणादायी कृति है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और पुस्तकालयों में रखा जाए ताकि नई पीढ़ी प्रेरणा ले सके। वहीं उन्होंने युवाओं से एआई और उभरती हुई तकनीकी ज्ञान को अपनाने का आह्वान किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री

मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाला है। उत्तर प्रदेश भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। 2017 से पहले यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2016-17 में यूपी की जीडीपी ?12.75 लाख करोड़ थी, जिसे 2025-26 में ही ?36 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। सीएम योगी ने युवाओं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं बल्कि नए अवसर पैदा करती है। जिस तरह कंप्यूटर आने पर नई संभावनाएं बनीं, उसी तरह एआई भी कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में नई दिशा देगा। किसान यदि तकनीक अपनाएंगे तो उनकी उत्पादकता तीन गुना तक बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले गाजियाबाद की पहचान %गंदगी और गैंगेस्टर% से जुड़ी थी। गौतमबुद्ध नगर को अफवाह फैलाकर %लूट का अड्डा% बना दिया गया था। कहा जाता था कि कोई मुख्यमंत्री यहां नहीं आ सकता, आएगा तो कुर्सी चली जाएगी। यही हाल बिजनौर और आगरा के लिए भी बना दी गई थी।

डर और अफवाहें फैला दी गई थीं। उन्होंने कहा, 'मैं बिजनौर में रात में रुका, आगरा के कथित 'भूतिया' सर्किट हाउस में ठहरा और नोएडा भी गया। इसके बावजूद जनता ने दोबारा आशीर्वाद देकर मुझे मुख्यमंत्री बनाया।÷ अफवाहें फैलाने वालों की सच्चाई जनता के सामने आनी जरूरी थी। आज गाजियाबाद शिक्षा और उद्योग का केंद्र बन चुका है।

## सीबीआई ने फरार तस्कर चंदन को हरियाणा से दबोचा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार (17 सितंबर) को हरियाणा के बहादुरगढ़ से फरार आरोपित राजकुमार शर्मा को गिरफ्तार किया। वह मध्यप्रदेश के धार जिले के धामनोद वन परिक्षेत्र से 15,350.55 किलोग्राम लाल चंदन (प्टेरोकार्पस सैंटालिनस) की तस्करी के मामले में लंबे समय से वांछित था। मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने 20 अगस्त 2024 को इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि धामनोद वन परिक्षेत्र से 15,350.55 किलोग्राम लाल चंदन की 504 लकड़ियां अवैध रूप से काटकर तस्करी की गई थीं। इस मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने छह आरोपितों बक्तवचलम, बी. बालामुरुगन, तमीम अंसारी, शिव कुमार, राजकुमार शर्मा और ईश्वर चंद्र शर्मा की पहचान की थी।

जांच पूरी होने पर सीबीआई ने 20 दिसंबर 2024 को इन सभी छह आरोपियों के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, धार, मध्यप्रदेश की अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें भारतीय दंड संहिता, भारतीय वन अधिनियम 1927, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 और जैव विविधता अधिनियम 2002 की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए। अदालत ने सभी आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बावजूद आरोपी फरार चल रहे थे। सीबीआई को हाल ही में एक गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर 17 सितंबर को हरियाणा के बहादुरगढ़ में छापेमारी कर राजकुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

## छत्तीसगढ़ जीएसटी विभाग ने सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान पहुँचाने वाले आपराधिक गिरोह का किया पर्दाफाश

**एजेंसी**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ जीएसटी विभाग ने 170 से अधिक बोगस बिलों के माध्यम से सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुँचाने वाले एक आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश किया। इसका सरगना जीएसटी के कर सलाहकार मो. फरहान सोरठिया को बताया गया है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि 17 सितंबर को फरहान के चाचा मो. अब्दुल लतीफ सोरठिया के आवास में सर्च (जांच) किया गया। वहां अधिकारियों को 1 करोड़ 64 लाख रुपये और 400 ग्राम सोने के 4 बिस्किट मिले। विभाग के अधिकारियों ने इसे जब्त कर के आयकर विभाग को सूचना दे दी है। राज्य जीएसटी की बी.आई.यू. टीम ने जीएसटी एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस नेटवर्क तथा जीएसटी प्राईम पोर्टल का उपयोग करके बोगस फर्म और बोगस बिल तैयार करने वाले सिंडिकेट का पता लगाया है। आरोपित मो. फरहान सोरठिया के ऑफिस में 12 सितंबर को जांच की गयी। जांच के दौरान यहां से 172 फर्मों के बारे में जानकारियां मिली। फरहान ने अपने 5 ऑफिस स्टॉफ को फर्मों का पंजीयन कराने, रिटर्न फाइल करने और ई-वे बिल तैयार करने के लिये रखा था। इसके अलावा मास्टर माइंड के आफिस से बोगस पंजीयन के लिये किरायानामा, सहमति पत्र, एफिडेविट तैयार करने के भी साक्ष्य मिले हैं। आरोपित ने 26 बोगस फर्मों से ही 822 करोड़ का ई-वे बिल जनरेट किया, जबकि रिटर्न में 106 करोड़ रुपये का ही टर्नओवर दिखाया गया है। केवल इन फर्मों से ही राज्य को 100 करोड़ रूपये के जीएसटी का नुकसान होने का प्रारंभिक आंकलन है। जीएसटी अधिकारियों द्वारा इन फर्मों से करोड़ों रुपये के जीएसटी फ्रॉड की राशि की गणना की जा रही है। इस प्रकरण में कई ब्रोकर, स्क्रैप डीलर और इनपुट टैक्स क्रेडिट के लाभ लेने वाली कम्पनियाँ भी विभाग के जांच के दायरे में

है।उल्लेखनीय है कि स्टेट जीएसटी ने एक माह पहले अगस्त माह में 19.65 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी करने वाले लोहा कारोबारी अंकित सिंह को गिरफ्तार किया है जिसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया था ।कारोबारी के ठिकानों पर तलाशी के दौरान पता चला था कि मेसर्स जय बजरंग लोहा प्राईवेट लिमिटेड एवं मेसर्स श्री पशुपतिनाथ लोहा एंड स्टील ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का संचालन करता था। इसकी आड़ में 18 बोगस कारोबारियों से बिना लेनदेन किए 2024-25 और 2025-26 में फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स केडिट (आईटीसी) का फर्जीवाड़ा किया गया। उसके फर्म से बोगस बिलिंग, फर्जी रबर स्टैण्ड और लेनदेन का दस्तावेज बरामद किया गया था।

## जनता ने तेलंगाना के ट्रंप को कर दिया किनारेः रेवंत रेड्डी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली/हैदराबाद।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बिना नाम लिए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री केसी राव की तुलना डोलाल्डट्रंप से करते हुए कहा कि तेलंगाना की जनता ने उस ट्रंप को किनारे कर दिया है। जो भी स्वशासित राज्य के रूप में प्रशासन चलाता है, वह ट्रंप बन सकता है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दिल्ली में आयोजित पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया के 12वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने%विज़न तेलंगाना राइजिंग 2047% विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि शासन करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति बेहद ज़रूरी है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की निंदा करते कहा कि तेलंगाना में एक ट्रंप हुआ करता था। अगर रात में कोई विचार मन में आता है, तो अगले दिन आदेश देने से काम नहीं चलेगा। ट्रंप के लिए गए फैसले अमेरिका के लिए नुकसानदेह हैं। मैं हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड संस्थानों से बात करूँगा। जो संस्थान खुद को अमेरिकी नहीं कहते, उन्हें भारत आना चाहिए। हम तेलंगाना में उनका स्वागत करते हैं। हम सभी बुनियादी ढाँचे उपलब्ध कराएँगे। आइए और तेलंगाना में निवेश कीजिए। मुख्यमंत्री ने 2047 तक तेलंगाना के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के बारे में बताया। उन्होंने राज्य के सतत विकास के लिए निजी क्षेत्र के सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए 'तेलंगाना राइजिंग 2047' योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में एक करोड़ से ज़्यादा लोग कि हम गुजरात के साबरमती बीच की तर्ज पर मूसी बीच का विकास करेंगे। इसके लिए हमने मूसी रिवरफ्रंट कॉर्पोरेशन का गठन किया है। हम प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को हैदराबाद से बाहर ले जा रहे हैं। हम इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रहे हैं। हम योजनाबद्ध विकास के लिए एक भविष्य का शहर बना रहे हैं। हम हवाई

रहते हैं। हम शहर में आरआरआर भी बना रहे हैं। हम मेट्रो, जो अभी 70 किलोमीटर लंबी है, को बढ़ाकर 150 किलोमीटर कर रहे हैं। फ़िलहाल, मेट्रो में रोज़ाना 5 लाख लोग सफ़र करते हैं। हमारा लक्ष्य अगले पांच सालों में इस संख्या को बढ़ाकर 15 लाख करना है। मुख्यमंत्री ने कहा अड्डे से भविष्य के शहर तक कनेक्टिविटी स्थापित करेंगे। हमने केंद्र से हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का अनुरोध किया है। हम तेलंगाना के ग्रामीण इलाकों में कृषि उत्पादों को बढ़ावा देंगे। हमारी राज्य पुलिस नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने में देश में नंबर वन है।

## दो साल में तैयार हो जाएगा मुंबई में बुलेट ट्रेन का स्टेशन

**एजेंसी**

**मुंबई।** अहमदाबाद-मुंबई हाईस्पीड रेलवे परियोजना का मुंबई स्टेशन दो साल में और यहां से ठाणे तक भूमिगत सुरंग का निर्माण तीन साल के भीतर पूरा हो जाएगा। करीब 3600 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्टेशन के लिए खुदाई का काम करीब 90 प्रतिशत पूरा हो गया है और कंक्रीट की लेयर बिछाने एवं स्तंभ निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसी तरह से बीकेसी से ठाणे तक बनने वाली 21 किलोमीटर की सुरंग में 4.9 किलोमीटर का काम पूरा हो गया है। मुख्य परियोजना प्रबंधक यूपी सिंह ने दिल्ली से आए राष्ट्रीय मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत में कहा कि मुंबई हाईस्पीड रेलवे स्टेशन का निर्माण 2027 तक पूर्ण हो जाएगा तथा बीकेसी से ठाणे तक भूमिगत सुरंग का काम भी तीन साल में खत्म हो जाएगा। निर्माणाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन की परियोजना का खाका बताते हुए सिंह ने कहा कि बीकेसी स्थित मुंबई स्टेशन, इस कॉरिडोर का एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। इसके लिए भूतल से योजना है। इसमें प्लेटफ़ॉर्म, कॉन्कोर्स और सर्विस फ़्लोर सहित तीन मंज़िलें होंगी। स्टेशन पर 6 प्लेटफ़ॉर्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफ़ॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर और चौड़ाई करीब 10 मीटर होगी। स्टेशन मेट्रो लाइनों और

32.50 मीटर (लगभग 106 फुट) की गहराई तक खुदाई की जा रही है, जो एक 10 मंजिला इमारत के बराबर है। प्लेटफ़ॉर्म को ज़मीन से लगभग 26 मीटर की गहराई पर बनाने और पटरी करीब साढ़े 29 मीटर पर बिछाने की सड़क मार्ग से जुड़ा होगा। स्टेशन के लिए दो प्रवेश/निकास बिंदुओं की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के निकटवर्ती आईएलएफएस मेट्रो स्टेशन तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए तथा दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर होगा। उन्होंने कहा कि स्टेशन की योजना इस प्रकार बनाई गई है कि यात्रियों की आवाजाही और सुविधाओं के लिए कॉनकोर्स और प्लेटफार्म स्तर पर पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सके। करीब 28 एस्केलेटर, दो-दो लिफ्ट, दो-दो सीढ़ियां और आपातकाल के लिए नौ सीढ़ियां बनायीं जानी हैं। प्राकृतिक रोशनी के लिए एक बड़े रोशनदान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस स्टेशन पर रोजाना करीब तीस हजार यात्रियों की आवाजाही की क्षमता होगी बीकेसी स्थित मुंबई स्टेशन निर्माण में प्रगति की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 90 फीसदी उत्खनन कार्य (अर्थात 16 लाख घन मीटर) पूरा हो चुका है। इस स्थल से कुल 18.7 लाख घन मीटर मिट्टी की खुदाई की जानी है। साइट पर 120 घन मीटर/घंटा क्षमता वाले तीन बैचिंग प्लांट कार्यरत हैं।

## जोधपुर में यूक्रेन के कपल ने लिए सात फेरे, 72 साल का दूल्हा, 27 साल की दुल्हन

**एजेंसी**

**जोधपुर।** भारतीय विवाह पद्धति से प्रभावित यूक्रेन के जोड़े ने गुरुवार को यहां हिंदू रीति से सात फेरे लेकर जीवनसाथी बने। यह कपल चार साल से लिव इन में रह रहा था। दोनों भारतीय परंपराएं पसंद करते हैं, इसलिए राजस्थान में परंपरागत ढंग से विवाह किया। विवाह आयोजक व पयर्टन से जुड़े सुरेश विजयन ने बताया कि यूक्रेन निवासी 72 वर्षीय स्टानिस्लाव और 27 वर्षीय अनहेलीना कुछ समय से साथ रह रहे थे। दोनों ने भारतीय तरीके से विवाह का मन बनाया।

इसके लिए कंपनी से संपर्क किया। कंपनी ने शादी के लिए तीन वेन्यू और सिटी सुझाई। अलग-अलग तरीके के वीडियो भिजवाए। अंत में अनहेलीना ने जोधपुर को चुना। इसके बाद दोनों अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ दिल्ली आए थे। बुधवार को जोधपुर आने के बाद विवाह की रस्में शुरू हुई। मंगलसूत्र पहनाया, तोरण मारादंपती ने भारतीय परंपरागत परिधान पहने। भारतीय धुनों पर ठुमके लगाए। यूक्रेन से आए स्टानिस्लाव जरदोजी वर्क की शेरवानी पहन दूल्हा बने व लाल सुर्ख रंग की जरी वर्क की राजपूती पोशाक पहने दुल्हन एंजेलिना ने सुबह हल्दी व मेहंदी की रीति रिवाज को पारंपरिक गीत के साथ निभाया। शाम को उम्मेद भवन से गाजे बाजे के साथ बारात निकली जो विवाह स्थल पर आई जहां दूल्हे ने तोरण मारा। दूल्हे को टीका लगाने के बाद वरमाला हुई। उसके बाद मंत्रोच्चार के बीच विवाह कार्य संपन्न हुआ। दूल्हे ने दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाया और मांग भरी। अग्नि को साक्षी मांग कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लेकर जन्म जन्मों का संकल्प लिया।

## खुद सशक्त बनो, नारी जाति को सशक्त बनाओः अर्जुन राम मेघवाल

**एजेंसी**

**प्रयागराज।** आर्य कन्या डिग्री कालेज में चल रहे सात दिवसीय 'सार्थक' स्वर्ण जयंती समारोह का समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी यह बिल गुजरात प्रान्त के स्वामी दयानन्द सरस्वती के महिला सशक्तिकरण को आधारभूत प्रेरणा मानकर लागू कराये। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों के समय के बने संसद भवन की जगह प्रधानमंत्री ने भारतीय सांसदों के लिए नया संसद भवन बनाया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप खुद सशक्त बनो तथा पूरे समाज की नारी जाति को सशक्त बनाओ।

साथ ही कानून मंत्री ने जगजीत सिंह की गज़ल 'जग ने छिना मुझसे, मुझे जो भी लगा प्यारा, को भी सुनाया।

महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय शिक्षा, कानून, कला, वाणिज्य के क्षेत्र में नित्य प्रगति पथ पर अग्रसर है। यहां की छात्राएं तकनीकी ज्ञान के साथ भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की भी संवाहक है। पिछले पांच दशकों में यह संस्थान आर्य समाज एवं दयानन्दजी के मूलभूत सिद्धान्त का ध्वजवाहक बना है। इस अवसर पर6 महाविद्यालय की पत्रिका आर्य गरिमा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के न्यूज लेटर का विमोचन कानून मंत्री ने किया। साथ ही डॉ रंजना त्रिपाठी की पुस्तक 'पाश्चात्य स्वरलिपि व भारतीय संगीतात्मकता' का भी विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन चीफ प्रॉक्टर डॉ रंजना त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो अर्चना पाठक ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवन पर आधारित किए गए नाटक मंचन की भी प्रस्तुति की। कार्यक्रम में विधान परिषद् सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, सेवानिवृत्त केपी सिंह, आरएस वर्मा, मलयज शर्मा, रवीन्द्र नाथ जायसवाल, पीएन मिश्र, अरुणेश जायसवाल, आलोक अरोड़ा, सलाहकार डॉ ममता गुप्ता, प्रो अंजू श्रीवास्तव, प्रो नीलांजना जैन, डॉ निशा खन्ना, डॉ मुदिता तिवारी, डॉ अमित पाण्डेय, डॉ अमित मिश्र, डॉ सव्य सांची त्रिपाठी, डॉ प्रियंका श्रीवास्तव आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

## आमजन की आवाज से बन रहा विकास का रोडमैप

**एजेंसी**

**लखनऊ।** योगी सरकार द्वारा संचालित 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047फीसदी अभियान निरंतर जनभागीदारी और सुझावों के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने भ्रमण कर छात्रों, शिक्षकों, व्यावसायियों, उद्यमियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संगठनों, मीडिया और आम जनमानस से संवाद किया। इस संवाद में न केवल विगत आठ-साढ़े 8 वर्षों की विकास यात्रा साझा की गई, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने के लिए रोडमैप पर चर्चा और फीडबैक भी प्राप्त किया गया। सरकार द्वारा विकसित पोर्टल samarthuttarpradesh.up.gov.in पर अब तक ढाई लाख से ज्यादा फीडबैक दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 1.85 लाख से ज्यादा और नगरीय क्षेत्रों में करीब 70 हजार फीडबैक प्राप्त हुए। आयु वर्ग के अनुसार 90 हजार से अधिक सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग से, 1.36 लाख से अधिक सुझाव 31-60 वर्ग और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से करीब 30 हजार से अधिक सुझाव आए हैं।

## रांची में आयोजित तीन दिवसीय डिफेंस एक्सपो में 200 से अधिक प्रदर्शक, डीआरडीओ व एमएसएमई ने लगाए स्टॉल

**एजेंसी**

**रांची।** झारखंड की राजधानी रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय ईस्ट टेक सिम्पोजियम 2025 (डिफेंस एक्सपो) का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मुख्य सचिव अलका तिवारी सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह डिफेंस एक्सपो आत्मनिर्भर भारत के उस संकल्प का प्रतीक है, जिसमें देश की शक्ति, सामर्थ्य और स्वाभिमान समाहित है। पूर्वी भारत में इस प्रकार की रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन औद्योगिक विकास, नवाचार और रक्षा उत्पादन में सहयोग की नई दिशाएं खोलेगा। भारत अब उत्पादक और निर्यातक देश बन चुका है- राज्यपाल उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक और निर्यातक देश बन चुका है। भारत के रक्षा उत्पाद अब कई देशों में निर्यात किए जा रहे हैं भारत की रणनीतिक दक्षता और मानवीय मूल्यों का परिचायक हैं। उन्होंने ईस्ट टेक सिम्पोजियम 2025 (डिफेंस एक्सपो) ऐतिहासिक कदम बताते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय

और रक्षा निर्यात एक लाख 27 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग और सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल-1 मिशन भारत की वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर जैसी आंतकवाद के विरुद्ध कार्रवाईयां सेठ को बधाई दी और कहा कि यह केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि 'ईस्टटेक 2025' उद्योगों, स्टार्टअप्स और शोध संस्थानों के लिए नये अवसर खोलेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड यूरेनियम से संपन्न है, लिहाजा परमाणु हथियार निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है। राज्य सरकार रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अपने आप में विशिष्ट है, जिसमें रक्षा क्षेत्र के कई नए आयाम जोड़ने की पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में उद्योग विस्तार की असीम संभावनाएं हैं। यहां रक्षा क्षेत्र में उपयोग होने वाले रॉ-मैटेरियल प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यहां कई बड़े-बड़े उद्योग संस्थान स्थापित हुए हैं। कई छोटे-बड़े उद्योग यहां पले-बढ़े हैं। कई बार गलत नीति निर्धारण के कारण कुछ चीजें समाप्त होती नजर आती हैं। हम सभी लोग ये जानते हैं कि एचईसी जैसा उद्योग संस्थान रांची में स्थापित है। इस संस्थान के सहयोग से देश के भीतर कई अन्य औद्योगिक संस्थाएं आगे बढ़ी हैं। एचईसी सेटेलाइट और परमाणु कॉम्पोनेंट्स बनाने में भी अहम भूमिका निभाता रहा है।

## भारतीय सेना ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया फील्ड फायरिंग अभ्यास

**एजेंसी**

**जैसलमेर।** जिले की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना के बैटल एक्स डिवीजन ने एनुअल फील्ड फायरिंग अभ्यास के दौरान अपनी दमदार सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सेना के जांबाजों ने इंफेंट्री हथियारों से फोकस, फोर्टिट्यूड और फायर पावर का शानदार परिचय दिया। अभ्यास के दौरान भारतीय सेना ने नई पीढ़ी के हथियारों और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए सर्वोच्च कॉम्बैट इफेक्टिवनेस दिखाई। इस युद्धाभ्यास

से सेना ने अपनी शानदार तैयारी को दर्शाया। सेना ने अपने आधुनिक हथियारों के साथ फील्ड फायरिंग रेंज में अभ्यास किया। इस दौरान सेना के जांबाजों ने असॉल्ट राइफल, इन्फैंट्री राइफल, लाइट मशीन गन, हैवी मशीन गन, स्नाइपर राइफल, उच्च-सटीकता राइफल, अंडर-बाररेल, ग्रेनेड लांचर, मोर्टार (लघु/मध्यवर्ती), एंटी-टैंक, रॉकेट प्रणालियां, पर्सनल डिफेंस वैपन्स (पिस्टल/साइड आर्म), नाइट-विजन और थर्मल साइटिंग उपकरण, ड्रोन, निगरानी उपकरण और कम्युनिकेशन और नेविगेशन उपकरण (रेडियो, जीपीएस, कमांड यूनिट) का सफल प्रदर्शन कर अपनी ताकत दिखाई। पोकरण की रणभूमि भारतीय हथियारों की गर्जना से गूंज उठी। फील्ड फायरिंग अभ्यास ताकत, जोश और अनुशासन का प्रतीक बना। सेना के इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि भारतीय सेना सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सेना ने साफ किया कि सीमा पर शांति बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है, लेकिन हर परिस्थिति के लिए आक्रामक अंदाज में तैयार रहना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

# स्मृति मंधाना ने महिला वनडे में रचा इतिहास, विराट कोहली का 12 साल पुराना तोड़ा रिकॉर्ड

**मुल्लांपुर (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने वनडे क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में उन्होंने मात्र 50 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस धमाकेदार पारी के साथ उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक बनाया था। इतना ही नहीं, स्मृति अब महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दुनिया की दूसरी बल्लेबाज बन गई हैं।

### स्मृति का तूफानी प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में स्मृति मंधाना ने 50 गेंदों में 14 चौके और 4 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। हालांकि, वह अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ा सकीं और 63 गेंदों में 17 चौके और 5 छक्कों के साथ 125 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इससे पहले, दूसरे वनडे में भी उन्होंने 91 गेंदों में 14 चौके और 4 छक्कों की मदद से 117 रनों की शानदार पारी खेली थी। उनकी इस फॉर्म ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को खासा परेशान किया।

### महिला वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक

स्मृति मंधाना ने इस तूफानी शतक के साथ महिला वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस सूची में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग हैं, जिन्होंने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंदों में शतक बनाया था। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी हैं, जिन्होंने इसी मैच में 57 गेंदों में शतक बनाया। स्मृति ने मूनी को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

### 2025 में स्मृति की शतकीय धमक

स्मृति मंधाना ने 2025 में वनडे क्रिकेट में अपना चौथा शतक पूरा किया। इससे पहले 2024 में भी उन्होंने चार शतक जड़े थे। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में वह लगातार दो साल से शीर्ष पर हैं। इस साल साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी चार शतक बना चुकी हैं, लेकिन स्मृति की गति और निरंतरता उन्हें खास बनाती है।

### भारत की नई रिकॉर्ड-ब्रेकर

स्मृति मंधाना की इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों का दिल जीता, बल्कि वैश्विक स्तर पर उनकी तारीफ हो रही है। उनकी इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। यह उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है, जो स्मृति की प्रतिभा और समर्पण को दर्शाता है।

# अर्शदीप सिंह बने टी20आई में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज, इस पाकिस्तानी गेंदबाज को छोड़ा पीछे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अर्शदीप सिंह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने ओमान के विनायक शुक्ला को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। मात्र तीन वर्षों में 100 विकेट हासिल करना भारत के लिए एक तेज गेंदबाज के रूप में उनके कौशल और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के हारिस रऊफ का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। अर्शदीप ने यह कारनामा 64 मैचों में किया, जबकि रऊफ को 71 मैचों में यह कारनामा करना पड़ा था। यह अर्शदीप की निरंतरता और भारत के लिए नियमित रूप से विकेट लेने की क्षमता को दर्शाता है।

### शीर्ष तेज गेंदबाजों को अर्शदीप ने पीछे छोड़ा

अर्शदीप ने सबसे कम समय में 100 विकेट पूरे करने के मामले में शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, मुस्तफिजुर रहमान, टिम साउथी और क्रिस जॉर्डन जैसे कई मशहूर गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया। इससे पता चलता है कि अब वह दुनिया भर के टी20 क्रिकेट के शीर्ष तेज गेंदबाजों में से एक हैं।

### अन्य तेज गेंदबाजों से तुलना

पूर्ण सदस्य टीमों के गेंदबाजों में केवल राशिद खान और वानिंदु हसरंगा ने ही अर्शदीप से कम मैच खेलकर 100 विकेट पूरे किए। राशिद ने 53 मैचों में और हसरंगा ने 63 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। इस तरह अर्शदीप दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजों से पीछे रह गए।

### भारतीय गेंदबाज 100 विकेट के करीब

अर्शदीप के बाद हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह 100 विकेट के करीब हैं। पांड्या के नाम 96 और बुमराह के नाम 92 विकेट हैं। इन दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पास जल्द ही अर्शदीप के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है।

गौर है कि वर्तमान में अर्शदीप सिंह 100 विकेट लेकर किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड रखते हैं। तेज गेंदबाजी में उनकी सफलता भारत की टी20 टीम के लिए एक उज्ज्वल बिंदु है, जो एशिया कप 2025 के निकट आते ही भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं के उदय को दर्शाता है।

# पूर्व भारतीय कप्तान ने गिल का किया समर्थन, कहा- वे पाकिस्तान खिलाफ मैच में रन बनाएंगे

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय कप्तान क्रिस श्रीकांत का मानना है कि शुभमन गिल 21 सितंबर को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में बल्ले से अपनी फॉर्म वापस पा लेंगे। भारतीय उप कप्तान अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और महाद्वीपीय टूर्नामेंट के तीन मैचों में सिर्फ 35 रन ही बना पाए। श्रीकांत को लगता है कि 25 वर्षीय गिल पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रन बनाएंगे।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'शुभमन गिल का फॉर्म में वापस आना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में रन बनाएंगे। वह भारतीय टेस्ट कप्तान हैं और भविष्य में सभी फॉर्मेट के कप्तान भी हो सकते हैं। अंदर आती गेंद उन्हें लगातार परेशान करती है क्योंकि वह जल्दी खेलते हैं। मेरा सुझाव है कि वह ज्यादा सीधी गेंदें खेलें। कवर ड्राइव की बजाय, उन्हें तब तक ऑफ ड्राइव ज्यादा खेलनी चाहिए जब तक वह जम न जाएं।'

श्रीकांत ने आगे कहा, 'उन्हें उप कप्तान बनाने का मतलब ही यह है कि उनका खेलना तय है। एशिया कप से पहले मेरी जो 15 सदस्यीय टीम थी, उसमें वह नहीं थे। दरअसल, ज्यादा लोगों को उम्मीद नहीं थी कि वह 15 सदस्यीय टीम में होंगे। लेकिन जब से उन्हें उप कप्तान बनाया गया है, भविष्य में वे उन्हें सभी फॉर्मेट का कप्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि उनका आईपीएल भी अच्छा रहा था।'

गौर है कि भारत ने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मुकाबले में ओमान को हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने ओमान को 21 रनों से हराकर अपनी अजेय बढ़त बरकरार रखी। अब वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण में पाकिस्तान से दूसरी बार भिड़ेंगे।

# ओमान खिलाड़ियों ने की धुंआधार बल्लेबाजी, पांड्या ने कैच लेकर पलटा पासा

**–कलीम ने 7 चौके और 2 छक्कों के साथ शानदार 64 रन बनाए**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप में टीम इंडिया को ओमान के खिलाफ एक ऐसा अनुभव हुआ जो पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ नहीं हुआ था। हल्की मानी जा रही ओमान की टीम ने टीम इंडिया के खिलाफ उलटफेट कर दिया था लेकिन एक कैच से पासा पलट गया। भारत और ओमान के बीच एशिया कप 2025 के आखिरी ग्रुप स्टेज मैच का मुकाबला शुक्रवार को अबू धाबी में खेल गया था। भारत पहले ही पाकिस्तान और यूएई हो हराकर सुपर 4 स्टेज के लिए क्वालीफाई कर चुका था और ओमान को 21 रनों से हराकर अपनी जीत का सफर जारी रखा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओमान के खिलाफ मुकबले में भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

अभिषेक शर्मा ने 15 गेंद में 38 रन बनाए जिसमें पांच चौके और दो छक्के लगाए। संजू सैमसन ने 56 रन बनाए जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल थे, जबकि हर्षित राणा ने 29 और अक्षर पटेल ने 26 रन बनाए जिससे भारत ने 8 विकेट पर 188 रन का स्कोर बनाया। ओमान के लिए शाह फैसल, जितेन रमणंदी और आमिर कलीम ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा ओमान टीम ने बड़ी दिलेरी से किया और एक वक्त सबकी सांसें थम सी गई थी जब ऐसा लगा कि वी जीत जाएगा क्योंकि मैच भारत के हाथ से निकलता जा रहा था। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने ओपनिंग जोड़ीदार आमिर कलीम के साथ पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। कलीम ने 7 चौके और 2 छक्कों के साथ शानदार 64 रन बनाए और हम्माद मिर्जा के साथ एक और अर्धशतकीय साझेदारी खेली, जिन्होंने 51 रन बनाए।

एक समय पर कलीम ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से ओमान को उलटफेर करने के करीब पहुंचा दिया था। टीम को 14 बॉल पर 40 रन की जरूरत थी। कलीम 46 बॉल पर 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 64 रन बनाकर खेल रहे थे। उनका कैच लेकर पांड्या ने ओमान की उम्मीद को चकनाचूर कर दिया। 18वें ओवर की चौथी गेंद पर कलीम ने हर्षित राणा की धीमी गेंद को स्वीप किया और गेंद छक्के के लिए जाती हुई लग रही थी, लेकिन पांड्या ने उस कैच पकड़ लिया और मैच का पासा ही पलट गया।

# श्रीलंका के मेंडिस ने रोहित को छोड़ा पीछे, विराट का तोड़ सकते हैं रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 74 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत दर्ज की और लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। मेंडिस ने इस पारी के साथ एक खास रिकॉर्ड भी बनाया है। वह एशिया कप टी20 फॉर्मेट में तीन बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे कर दिया है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में केवल दो बार ही 50+ स्कोर किया है।

# पूर्व स्पिनर बोला, रुट के लिए आसान नहीं रहेगी एशेज सीरीज

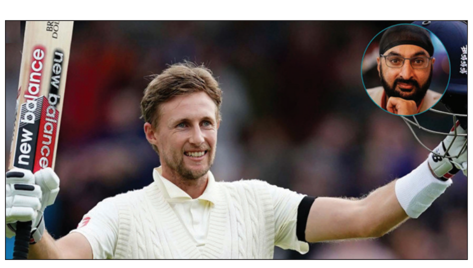


लंदन। भारतीय मूल के इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज क्रिकेट सीरीज बल्लेबाज जो रुट के लिए आसान नहीं रहेगी। इसस सीरीज में रुट पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। पनेसर ने कहा है कि अगर इस दौर में रुट विफल रहते हैं तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बचा पाना कठिन हो जाएगा। इंग्लैंड टीम को 21 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज खेलनी है। रूट का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में में अच्छा नहीं रहा है। पनेसर ने कहा, ' रुट के लिए टीम में बने रहना इस बात पर निर्भर करता है कि अगला साल उनके लिए कैसा रहेगा, एशेज कैसी रहेगी, ऐसे में अगर रूट एशेज सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। यहीं नहीं इसमें हार पर इंग्लैंड टीम के कोच, कप्तान को भी अपना पद गंवाना पड़ सकता है। सीरीज खराब रहने पर लोग सवाल करने लगते हैं, क्या उनका बेस्ट निकल गया है? इसलिए जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो प्रदर्शन काफी मायने रखता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने अच्छे हैं, आपको ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा।' रूट टेस्ट क्रिकेट में 13453 रन बना चुके हैं, जिसमें 39 शतक शामिल हैं पर अभी तक वह ऑस्ट्रेलिया में कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। पनेसर का मानना है कि एशेज सीरीज में रूट के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी सतहों पर शतक लगाना काफी कठिन होगा। उन्होंने कहा, यह उनके लिए बहुत मुश्किल होने वाला है क्योंकि उन्हें एक मजबूत ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी का सामना करना होगा और इस बार का गेंदबाजी आक्रमण पहले से भी खतरनाक है।

# सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में, सिंधु चाइना मास्टर्स से बाहर

**शेनझेन (एजेंसी)।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एक और शानदार सीधे गेमों में जीत के साथ ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि एकल में पी वी सिंधु को महिला क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो जाना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन के रेन जियांग यू और झी हाओनान को 38 मिनट में 21-14, 21-14 से हराया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग से 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार गईं, जो पेरिस खेलों की स्वर्ण पदक विजेता से उनकी लगातार आठवीं हार है।

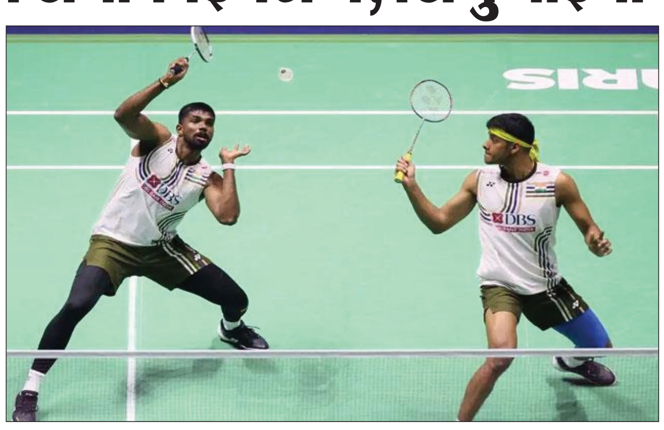


सिंधु ने अभी तक विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कोरिया की एन से यंग के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं की है। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ खराब प्रदर्शन जारी रहा और शुक्रवार को उन्हें कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की शुरुआत खराब रही और वह 1-6 से पिछड़ रही थीं, लेकिन क्रॉस-कोर्ट पर एक नाजुक ड्रॉप के साथ स्कोर 5-9 हो गया। हालांकि, आन ने अपने विशिष्ट स्मैश का इस्तेमाल करते हुए अंतराल तक 11-5 की बढ़त बना ली।

सिंधु 11-14 के स्कोर पर बराबरी पर आ गईं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और भारतीय खिलाड़ी के स्मैश को नेट में वापस भेजकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में, सिंधु 3-2 से आगे थीं, लेकिन आन के नियंत्रण में आने से पहले ही कुछ देर के लिए। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और 7-8 से पीछे थीं, लेकिन आन के बेहतरीन डिसीजन और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया।

उन्होंने बढ़त को 14-7 तक पहुंचाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सिंधु ने कुछ बेहतरीन फ्रंट-कोर्ट ड्रॉप्स और राउंड-द-हेड स्मैश लगाकर कुछ अंक हासिल किए, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी हमेशा उनसे आगे रही। जब सिंधु ने फिर से गलती की, तो आन ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश से आठ मैच पॉइंट हासिल किए और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

# ओमान के खिलाफ मैच में अक्षर हुए चोटिल, पाकिस्तान से सुपर 4 में खेलना संदिग्ध

**–भारत के फील्डिंग कोच दिलीप ने अक्षर को बताया 'ठीक'**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप में भारत को रविवार को फिर पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 में खेलना है। आखिरी लीग मैच में ओमान के खिलाफ फील्डिंग करते समय अक्षर पटेल घायल हो गए। उनके सिर पर लगी चोट से बाद वह मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद सवाल उठ रहा है क्या वह अगले मैच में खेलेंगे। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा है कि अक्षर पटेल 'ठीक' हैं। बता दें मैदान पर कैच लेने की कोशिश में सिर पर चोट लगने के बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे और वे वापस नहीं लौटे। इस चोट के कारण रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मुकाबले में उनका खेलना संदिग्ध हो सकता है। ओमान की पारी के 15वें ओवर में विकेटकीपर हम्माद मिर्जा का कैच लेने के लिए मिड-ऑफ से दौड़ते हुए अक्षर ने कैच को लपका लेकिन संतुलन खोकर सिर के बल मैदान पर गिर पड़े। अक्षर को सिर और गर्दन पकड़ते देखा गया था और फिजियो ने उन्हें मैदान से बाहर ले गया। इसके बाद वे मैदान में वापस नहीं आ सके। अक्षर ने सिर्फ एक ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने चार रन दिए थे, जबकि भारत ने आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल करते हुए ओमान को 21 रनों से हराया। मैच के बाद भारत के फील्डिंग कोच दिलीप ने अक्षर को 'ठीक' बताया था, लेकिन मैचों के बीच कम समय का अंतर

चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

# शाहीन ने इस टूर्नोमेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है : कुलदीप

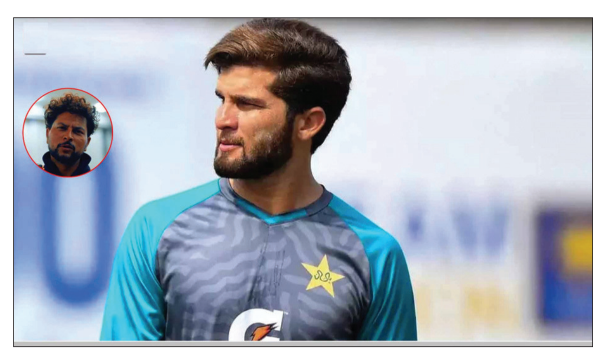

दुबई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि शाहीन ने इस टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है। कुलदीप के अनुसार जहां पाक बल्लेबाजी विफल हो रही हैं। वहीं शाहीन आसान से रन बनाते दिख रहे हैं। शाहीन के कारण ही पाक टीम यूएई के खिलाफ अच्छा स्कोर बना पायी। वह जमकर चौके छक्के लगा रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाफ भी शाहीन ने 16 गेंद में 33 रन बनाए थे। वहीं यूएई के खिलाफ उन्होंने 14 गेंद में 29 रन बनाये। कुलदीप ने कहा कि शाहीन बहुत अच्छा खेल रहे हैं और पिछले दो मैचों में उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाज की है। कुलदीप ने कहा, 'जब आप गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आप विरोध बल्लेबाजों की रणनीति समझने के प्रयास करते हैं। कुछ अच्छे बल्लेबाज होते हैं जो अच्छा खेलते हैं। शाहीन भी वैसा ही नजर आ रहा है। पिछले 2 मैचों में उसने आक्रामक बल्लेबाजी की है। साथ ही कहा कि खेल में गलतियां से ही हर कोई सीखता है। कोई भी एकदम से खेल में परफेक्ट नहीं हो सकता है।' गौरतलब है कि शाहीन ने भारतीय टीम के खिलाफ ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान की ओर से नंबर 9 पर बल्लेबाजी करते हुए चार छक्के लगाए. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से ही पाकिस्तान की टीम 9 विकेट पर 127 रनों का सम्मानजनक स्कोर बना पायी।

# सुपर फोर में भी भारतीय का पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखना तय

दुबई। भारत ओर पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले सुपर फोर मैच में भी तनाव चरम पर रहेगा। भारतीय टीम ने जिस प्रकार 14 सितंबर को हुए लीग मैच में पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखते हुए हाथ नहीं मिलाया था। वैसा ही वह इस मैच में भी करेगी। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले में पाक के लिप्त होने के कारण विरोध के तौर पर उससे दूरी बनाये रखी थी। लीग मैच में भारतीय टीम ने आसानी से पाक को हरा दिया था। अब भारतीय टीम इसी प्रकार सुपरफोर में भी एकतरफा जीत चाहेगी। भारतीय टीम ने जिस प्रकार अब तक इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन किया है। उससे वह जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पहले मैच में पाक के खिलाफ विजयी शॉट लगाने के बाद सीधे ही ड्रेसिंग रुम की ओर बढ़ गये थे। इससे पाक खिलाड़ी हैरान रह गये थे। पाक टीम ने भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने को अपनी बेइज्जती मानते हुए मैच रैफरी से भी शिकायत की थी पर बाद वह रैफरी को ही हटाने की मांग करने लगी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। कई पूर्व क्रिकेटरों ने मैच के पहले ही पाकिस्तान की हार की भविष्वाणी कर दी थी और इसी प्रकार की बातें सूपर फोर मैच को लेकर भी कहीं जा रही हैं। इस मैच में भी कुछ बदलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि पाक की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब भी लचर बनी हुई है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है।

# मैच के बाद सूर्यकुमार ने ओमान खिलाड़ियों को दिए टिप्स, तस्वीर भी खिंचवाई

**–ओमान के कप्तान बोले–सूर्या ने की हमारे खेल की तारीफ जो हमरे लिए खास**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशिया कप में पाकिस्तान की टीम के साथ किया गया भारतीय कप्तान का बर्ताव चर्चा में है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उनके पूर्व क्रिकेटर्स ने सूर्यकुमार के खेल भावना पर सवाल उठाया है। ओमान के खिलाफ मैच के बाद जो टीम इंडिया ने किया वह पूरे पाकिस्तान के लिए तमाचा था। भारत ने ओमान के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 21 रनों से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के अजेय रहते हुए सुपर 4 में कदम रख लिया है। मैच के बाद सूर्यकुमार ओमान की टीम के खिलाड़ियों से बात करते नजर आए और जताया की असली खेल भावना किसे कहते हैं।

ओमान के खिलाफ मैच के बाद सूर्यकुमार के एक इशारे ने फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय कप्तान को ओमान के खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए देखा गया, जहां वे खिलाड़ियों को कुछ टिप्स दे रहे थे। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में कहा कि सूर्या ने खेल के बारे में बात की और हमारी तारीफ की, जो हमारे लिए बहुत मायने रखता है। हमारे खिलाड़ियों के पास टी20 खेल के कई चरणों में खेलने के बारे में सवाल थे। उनके साथ बातचीत करना बहुत अच्छा था।

मैच के बाद ना सिर्फ सूर्यकुमार ने ओमान के खिलाड़ियों से बात की और उनको टिप्स दिए बल्कि पूरी टीम के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इससे ये समझ आता है कि वह विरोधी टीम के खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं। उनके अंदर खेल भावना कितनी ज्यादा है। मैच से पहले ओमान के कप्तान ने ये भी कहा था कि वे अपने आदर्श के साथ खेलने के लिए उत्सुक थे।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को 8 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। मजेदार बात यह है कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने बाकी बल्लेबाजों को ऊपर भेजा और खुद बल्लेबाजी नहीं कर सके। ओमान के ओपनर्स जतिंदर सिंह और आमिर कलीम ने 56 रनों की साझेदारी की। कप्तान जतिंदर सिंह के आउट होने के बाद हामद मिर्जा नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए और वहीं से खेल को आगे बढ़ाया। मिर्जा और कलीम दोनों ने अर्धशतक बनाए। ऐसा लगा कि वे टूर्नामेंट का पहला बड़ा उलटफेर कर देंगे लेकिन हार्दिक पांड्या के आमिर कलीम 46 गेंदों में 64 रन के कैच ने मैच पलट दिया। हामद मिर्जा 33 गेंदों में 51 रन का विकेट लेकर भारत के लिए मैच खत्म किया। इससे ओमान 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 167 रन बना सका।

# निकिता रावल संग डेटिंग की अफवाहों पर संग्राम ने तोड़ी चुप्पी

**हाल ही में जब रेसलर से एक्टर बने संग्राम सिंह ने निकिता रावल के साथ डेटिंग की अफवाह वाली खबर को पढ़ा तो वह हैरान रह गए। संग्राम को यह खबर सुनकर झटका लगा है। इस पूरे मुद्दे पर संग्राम सिंह ने खुलकर बात की है।**

डेटिंग की अफवाहों पर संग्राम सिंह कहते हैं, 'मुझे कुछ वक्त पहले निकिता रावल के शो में बुलाया गया जो 6 एपिसोड का था। जहां मैं एक ही बार जज बनकर गया था। उन्होंने एक रील भी बनाई। हम 3 से 4 बार अपनी टीम से साथ उनके दूसरे शो के सिलसिले में ही मिले हैं। वो मुझे सर कहकर बुलाती हैं और मैं भी उन्हें जी कहकर बुलाता हूं। मैं उन्हें ज्यादा जानता नहीं हूं।'

## फालतू की बातों पर ध्यान नहीं देता हूं

संग्राम सिंह आगे कहते हैं, 'मैं सबके साथ प्यार और सम्मान से बात करता हूं। मैं बहुत हैरान हूं कि मीडिया में बेसिर पैर की अफवाहें बिना किसी कंफर्मेशन के बड़े-बड़े प्लेटफार्म पर लग रही है। एक बार मुझसे तो पूछ लें कि क्या यह सच है? मैं इन फालतू बातों पर ध्यान नहीं देता हूं। मैं समाज के लिए कुछ करना चाहता हूं। मैं दुनिया में अपनी विरासत छोड़ना चाहता हूं। इस समय मैं रूरू2 के मैच की तैयारी में बहुत व्यस्त हूं, यह मैच दिसंबर में होने वाला है।'

## तलाक की खबरें पढ़कर भी दुख हुआ

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए संग्राम सिंह कहते हैं, 'हाल ही मेरे तलाक पर भी ऐसे खबरें आईं जिसे पढ़कर दुख हुआ। मैं हमेशा इन लोगों का सॉफ्ट टारगेट रहता हूं। मैं यही कहूंगा कि ऐसी कोई खबर बिना मेरी परमिशन के ना छापे। मेरे काम को देखें। मैं बहुत ही जल्द एक बड़ी फिल्म के दिखाई दूंगा। आखिरी में मैं किसी भी एक्ट्रेस के साथ अफवाहों की खबरों का खंडन करता हूं।'

# मैं अब ट्रोलिंग में पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं

**अवनीत कौर टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। फिर उन्होंने फिल्मों में काम किया। रानी मुखर्जी से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी तक के साथ। अब वो बड़ा नाम बन चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 31.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अपनी नई फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर।**

**आपने 8 साल की उम्र में डांस रिएलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स से शुरुआत की। झलक दिखला जा में दर्शील सफारी की कोरियोग्राफर रहीं। फिर ऐक्टिंग की ओर कैसे झुकाव हुआ?**

असल में, मेरे ऐक्टर बनने में डांस का ही हाथ है। मेरी शुरुआत डांस से हुई, पर मैं हमेशा से ही ऐक्टर बनना चाहती थी। मैंने कथक सीखा है, जिसमें काफी भाव भंगिमाएं और अदाएं होती हैं और उसी से मुझमें ऐक्टिंग का कीड़ा जागा, तो कथक ने मुझे ऐक्टिंग की ओर प्रेरित किया।

**अपने फिल्मी करियर में रानी मुखर्जी (मर्दानी), नवाजुद्दीन सिद्दीकी (टीकू वेड्स शेरू), राज बब्बर (लव इन वियतनाम) जैसे दिग्गजों के साथ ने आपको बतौर कलाकारा कितना संवारा?**

निश्चित तौर इन सबसे बहुत सीखा, पर नवाज सर के साथ काम करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा था। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगी। वह बहुत ही अंडरस्टैंडिंग हैं। टीकू का किरदार करना मेरे लिए आसान नहीं था। मैं सिर्फ 17 साल की थी और बहुत डरी हुई थी, पर नवाज सर ने मुझे स्पेस और टाइम दिया। वरना कभी-कभी सीनियर ऐक्टर टोक देते हैं क्योंकि आप यंग हैं या नए हैं तो नर्वस हो जाते हैं, लाइन भूल जाते हैं, मगर उन्होंने मुझे वो वक्त दिया कि तू कर, जैसे तुझे करना है, मैं तेरे साथ हूं।

**कई एक्ट्रेसेस ने कान्स में अपने लुक और कपड़ों को लेकर दबाव में होने की बात कही है। आपके साथ भी ऐसा कुछ था?**

कोई भी चीज जब आप पहली बार करते हैं तो नर्वसनेस होती ही है। कान्स को लेकर मुझे भी ये टेंशन थी कि मैं क्या पहनूं, क्योंकि मैं अपने फैशन और स्टाइल को बहुत सीरियसली लेती हूं। वह मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट है। मुझे ज्यादा आत्मविश्वास महसूस होता है, जब मैं एक अच्छा आउटफिट पहनती हूं या अच्छा लुक कैरी करती हूं। हालांकि, कोई टीम नहीं थी, मैंने खुद ही अपना कान्स का लुक स्टाइल किया था।

## ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

निश्चित तौर पर बुरा लगता है। आखिर तो हम भी इंसान ही है, लेकिन मैं बहुत वक्त से ये चीजें देख रही हूं, तो अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं। अभी थोड़ा ठहराव आ गया है, तो जब ये चीजें होती हैं तो मैं पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं। उन लोगों की सोचती हूं, जो इतना लोग प्यार देते हैं। मुझे पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।

## आपके इंस्टाग्राम पर 31.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं, आपने ऐसा क्या सही किया, जिससे लोगों ने रिलेट किया?

मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत काफी जल्दी की थी, ये मेरा प्लस पाइंट रहा। यह फैन बेस धीरे धीरे ही बना है। अचानक कुछ नहीं हुआ, तो मेरा मानना है कि चूंकि हमने बहुत पहले ही मेहनत शुरू कर दी थी, इसलिए आज यहां तक पहुंचे हैं। हालांकि, मैं बस मजे के लिए विडियो और पोस्ट करती थी। तब बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ये इतना बड़ा मंच बन जाएगा और अब टास्क ये है कि आप जिस जगह पहुंच गए हैं, उससे आगे कैसे बढ़ें।

# संग्राम मेरे अच्छे दोस्त हैं, अफेयर की खबरें गलत

हाल ही में कुश्ती से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले संग्राम सिंह और अभिनेत्री पायल रोहतगी की शादी को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। खबरें आ रही हैं कि संग्राम सिंह का अभिनेत्री निकिता रावल के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है, जिससे चर्चा बढ़ गई है। लेकिन जब निकिता रावल से इस बारे में बात की तो उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह से नकार दिया। बातचीत में निकिता ने साफ कहा, संग्राम मेरे अच्छे दोस्त हैं और ये गलत खबरें पहले ही उनके निजी जीवन में बहुत गड़बड़ कर चुकी हैं। मैं इन अफवाहों से बहुत परेशान हूं। लेकिन मैं इस बारे में आगे बात नहीं करना चाहती क्योंकि यह एक निजी मामला है।

# युजवेंद्र चहल को धोखा देने के आरोपों पर बोलीं धनश्री

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ धनश्री वर्मा इस समय रियलटी शो राइज एंड फॉल को लेकर चर्चा में हैं। हालिया एपिसोड में धनश्री ने युजवेंद्र चहल के साथ अपने रिश्ते पर बात की। धनश्री ने कहा कि उन्हें नीचा दिखाने के लिए युजवेंद्र ने निगेटिव पीआर कराया था। क्योंकि उन्हें डर था कि मैं कहीं मुंह ना खोल दूं। इससे पहले धनश्री वर्मा कई बार युजवेंद्र चहल के साथ अपने बिगड़ते रिश्ते और तलाक पर बात कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि अब प्यार की तलाश नहीं है। अपनी पहली शादी में काफी मुश्किलों का सामना कर चुकी हैं। इसलिए अब दोबारा कभी शादी नहीं करेंगी। राइज एंड फॉल शो के एक एपिसोड में जब अरबाज पटेल ने धनश्री वर्मा से पूछा कि सुनने में आया था कि आपने युजवेंद्र चहल को धोखा दिया था? इस सवाल पर धनश्री कहती हैं- उन्हें डर था कि कहीं मेरे मुंह से कुछ न निकल जाए, इसलिए मेरे खिलाफ निगेटिव पीआर किया गया। यह केवल अफवाहें और फालतू बातें हैं। मैं धीरे-धीरे सभी बातें स्पष्ट करूंगी। बता दें धनश्री और युजवेंद्र चहल की मुलाकात कोरोना महामारी के दौरान हुई थी। दिसंबर 2020 में दोनों ने शादी की। हालांकि शादी के बाद दोनों के बीच मतभेद बढ़ते गए और 2022 से अलग रहने लगे। फरवरी 2025 में कपल ने आपसी सहमति से तलाक के लिए याचिका दायर की और मार्च में उनका रिश्ता आधिकारिक रूप से खत्म हो गया।

# अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान

## कुनिका का किया जिक्र

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है।

### थोड़ा तो ख्याल करो

गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'हां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है।'

### बिग बॉस 7 की विजेता रही हैं गौहर खान

आपको बताते चलें कि गौहर खान का बिग बॉस से जुड़ाव काफी पुराना है। अभिनेत्री बिग बॉस 7 की विजेता थीं। इसीलिए अक्सर उन्हें बिग बॉस को लेकर टिप्पणी करते देखा जाता है।

### किस बात पर भिड़े थे अमाल-कुनिका?

इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

# मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं इस बार पैसे भी कमाऊंगा

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

## इस बार मैं पैसे कमाऊंगा

बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

## मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा।

## ऐश्वर्य ने काफी मेहनत की

ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं। मैं भी दूसरों से सीखता हूं। मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं और मैं अटकना नहीं चाहता। मैं फॉर्मूले और ऐसे लोगों से दूर रहता हूं जो मुझे नीचे गिराते हैं। 'निशानची' एक गैंगस्टर हार्टलैंड ड्रामा है। इसमें ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में हैं।

# खूबसूरत ऐतिहासिक शहर कच्छ

**गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।**

कच्छ गुजरात का सबसे मशूहर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

## कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

## नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

## भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

## कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

## कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

## जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

## धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

## पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

**कैसे पहुंचें-**

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

**वायु मार्ग-** भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

**रेल मार्ग-** यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

**सड़क मार्ग-** गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

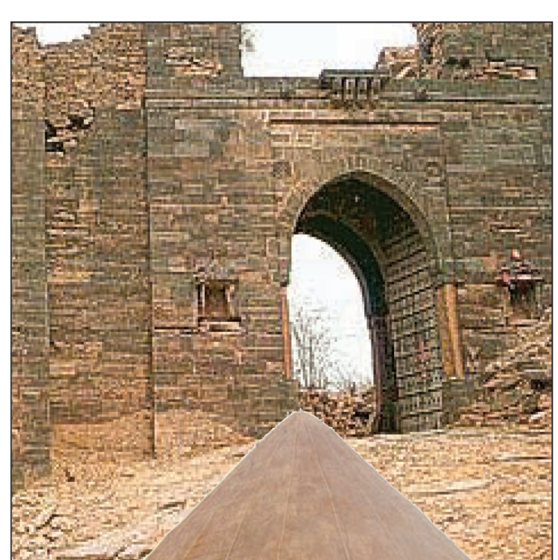

# सुखद अहसास कराता है गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

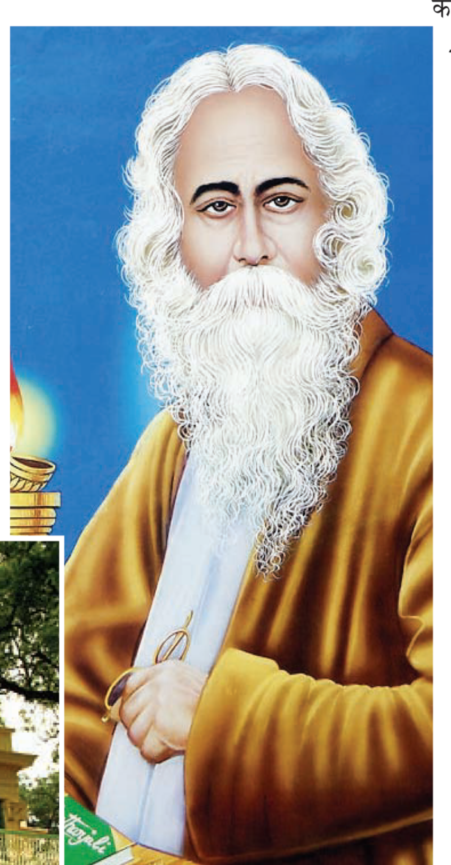

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।